इंदौर-भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक
राजीव टाइम्स
विश्वास पुराना, ख़बर सच्ची

पेज 03 निगम के असिस्टेंट इंजीनियर व लाइनमैन...

फूटी कोठी ब्रिज चालू होते ही कम हो... पेज 03

संस्थापक : स्व. श्री राजेन्द्र खंडेलवाल | इंदौर, रविवार, 21 अप्रैल, 2024, चैत्र शुक्ल - 13, विक्रम संवत् 2081 | वर्ष 44, अंक 10, पृष्ठ 08, कीमत 3 रुपए

शॉर्ट न्यूज

मनीष सिसोदिया को जेल या बेल, फैसला 30 को

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में 1 साल से भी ज़्यादा वक़्त से जेल में बंद मनीष सिसोदिया की जमानत पर कोर्ट का फैसला 30 अप्रैल को आएगा। राऊज एवेन्यु कोर्ट ने सीबीआई, ईडी और सिसोदिया की ओर से पेश वकीलों की जिरह सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों जांच एजेंसियो की ओर से दर्ज केस में जमानत की मांग की है। अब उन्होंने ट्रायल में हो रही देरी का हवाला देते हुए ज़मानत के लिए नई अर्जी दायर की है। शनिवार को सीबीआई की ओर से पेश वकील पंकज गुप्ता ने दलील दी कि सिसोदिया एक प्रभावशाली शख्श हैं । वो पहले भी सबूतों को खत्म करने में शामिल रहे हैं। जमानत मिलने पर वो सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने रद्द की भारत की यात्रा

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 21 और 22 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आने वाले थे। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। भारत यात्रा के दौरान एलन मस्क की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलकात होनी थी। इस दौरान वह भारत के बाजार में प्रवेश करने की योजना की घोषणा करने वाले थे। मीडिया रिपोर्ट में यात्रा स्थगित होने का कारण नहीं बताया है। 10 अप्रैल को एलन मस्क ने सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया था कि वह पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। इसके अलावा, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की वकालत की थी। भारत सरकार ने हाल ही में एक नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण नीति की घोषणा की थी।

सूरत से कांग्रेस कैंडिडेट का नामांकन रद्द, जाएंगे कोर्ट

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत में कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का नामांकन फॉर्म रद्द कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार उनके पर्चे में गवाहों के हस्ताक्षर में गड़बड़ी थी। आज जिला कलेक्टर ने कुंभाणी को ऑफिस बुलाया और पर्चे की जांच के बाद कुंभाणी को नामांकन रद्द करने की जानकारी दी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कुंभाणी ने कलेक्टर से एक दिन का समय मांगा है। वे अब तत्काल सुनवाई के लिए हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। नीलेश कुंभाणी के डमी कैंडिडेट के तौर पर सुरेशभाई पडसाला ने भी फॉर्म भरा है। अगर कुंभाणी का फॉर्म रद्द हुआ तो कांग्रेस की ओर से पडसाला चुनाव लड़ सकते हैं। सूरत लोकसभा सीट के लिए कुल 24 फॉर्म भरे गए हैं।

मुरादाबाद से भाजपा उम्मीदवार का निधन

मुरादाबाद। पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह (72) की दिल्ली स्थित एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी में शोक की लहर फैल गई। मुरादाबाद लोकसभा के प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। नामांकन करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। इसी कारण वह चुनाव प्रचार में भाग नहीं ले सके। पूर्व सांसद के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने मेडिकल चेकअप कराने के लिए दिल्ली स्थित एम्स गए थे। वहां इलाज के दौरान शाम को उनकी मौत हो गई। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने शोक जताया है।

मोदी सरकार के इन तीन कानूनों से सीजेआई खुश, बोले- बदल रहा है भारत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को देश में तीन नए आपराधिक कानून बनाए जाने की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह भारत के बदलने का "स्पष्ट संकेत" है। सीजेआई के अनुसार नए कानूनों ने क्रिमिनल जस्टिस को लेकर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है।

उन्होंने 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि

हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं। प्रधान न्यायाधीश ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के लागू होने को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है।

उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं। सीजेआई ने कहा कि संसद द्वारा इन कानूनों को पास किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है।

एक जुलाई से नए कानून होंगे लागू

चंद्रचूड़ के मुताबिक नए कानून तभी सफल होंगे जब इन्हें लागू करने की जिम्मेदारी संभालने वाले लोग इन्हें अपनाएंगे। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए बनाए गए कानून 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' एक जुलाई से लागू होंगे। हालांकि, 'हिट-एंड-रन' के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन्हें स्वीकृति दी थी।

संकट में कांग्रेस का शहजादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नांदेड़ और परभणी में चुनावी सभा में राहुल गांधी पर साधा निशाना, अपने कार्यकाल के गिनाएं काम

नांदेड़ ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी रैली की जहां उन्होंने पहले चरण में वोट देने वालों को धन्यवाद दिया। पीएम ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा- इंडी गठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहा। वायनाड में राहुल को संकट दिख रहा है। जैसे वे अमेठी छोड़कर भागे हैं, उन्हें वायनाड छोड़कर भी भागना पड़ेगा। नांदेड़ के बाद पीएम मोदी ने परभणी भी जनसभा की। यहां उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहा था, तब आतंकी हमलों के डर, आए दिन बम धमाके की खबरें छाई रहती थीं। 5 साल बाद 2019 में सीमा पार से होने वाले हमलों की चर्चा बंद हो गई और सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा होने लगी।

ये तो मोदी है, घर में घुसकर मारता है। हर जगह यही चर्चा होने लगी।' पीएम मोदी ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक की बात सुनकर शौर्य की ये धरती महाराष्ट्र भी गर्व से भर गई थी। हिंदुस्तान के हर नागरिक को इस पर गर्व हुआ था। एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। हमारी सरकार हर जाति, पंथ के लिए काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक के चिकबल्लापुर और बेंगलुरु में चुनावी रैलियां करेंगे। पीएम ने कहा कि 4 जून के बाद इंडी गठबंधन एक-दूसरे के कपड़े फाड़ेगा। एक दूसरे के बाल नोंचने वाले हैं। आप बताइए कोई भी समझदार नागरिक इनके लिए वोट करेगा क्या? मैं मतदाताओं को कहता हूं कि आइए जी-भरकर एनडीए को वोट दीजिए। एनडीए को वोट करना है। आज भी एनडीए सरकार गरीब के लिए कोई काम करती है, तो कांग्रेस उसका मजाक उड़ाती है। कांग्रेस गरीब, दलित, वंचित, मजदूर किसान के विकास के सामने हमेशा दीवार बनकर खड़ी है। आजादी के 6 दशक बाद हमने करोड़ों गरीब महिलाओं को शौचालय देने का अभियान छेड़ दिया। तब कांग्रेस और इंडी अघाड़ी वाले लोग मजाक उड़ाते थे।

सनातन को गाली दे रहे हैं इंडी अघाड़ी वाले

आज अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार है। इंडी अघाड़ी वाले क्या कर रहे हैं, ये लोग सनातन को गाली दे रहे हैं। प्राणप्रतिष्ठा का बहिष्कार करने को सही ठहरा रहे हैं। पूजा-अर्चना को पाखंड बता रहे हैं। ये माफ करने योग्य है क्या। इन्हें माफ किया जा सकता है क्या?

विदर्भ में कांग्रेस के रवैए से किसान कमजोर हुए

पीएम ने नांदेड़ में इंडी गठबंधन को लेकर यह भी कहा कि आपकी समस्याओं का ये कभी समाधान कर सकते हैं क्या? कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और विदर्भ-मराठवाड़ के आसपास दम घोंटने वाला काम किया है। इस क्षेत्र में सूखे की स्थिति पानी का संकट एक दिन में नहीं पैदा हुआ है। कांग्रेस के रवैए के चलते किसान कमजोर होते गए। लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा। अब 80 फीसदी से ज्यादा घरों में नल से जल आने लगा है। अपर गंगा प्रोजेक्ट चल रहा है। किसानों को प्रीमियम से 5 गुना ज्यादा क्लेम फसल बीमा के तहत दिलाया। नांदेड़ के किसानों को 1300 करोड़ से ज्यादा किसान सम्मान निधि से मिले। हमारी सरकार ने मोटे अनाज को पहचान दी, श्री अन्न कहा। ये यहां बहुत पैदा होते हैं। ये दुनियाभर में सुपरफूड बोला जा रहा है।

मोदी की गारंटी कांग्रेस के दिए जख्मों का इलाज करना है

कांग्रेस के दिए हर जख्म का इलाज करना ये मोदी की गारंटी है। इस क्षेत्र को शक्तिपीठ एक्सप्रेस वे और समृद्धि महामार्ग जैसी वर्ल्ड क्लास रोड मिली है। उड़ान योजना के तहत नांदेड़ एयरपोर्ट को फिर से शुरू किया गया। पीएम आवास के तहत हजारों को गरीबों को पक्के आवास मिले हैं। ये तो अभी ट्रेलर है। अभी हमारा बहुत समय कांग्रेस के गड्ढों को भरने में गया है। अगले 5 साल में हमें मराठावाड़ और महाराष्ट्र को बहुत आगे ले जाना है। नांदेड़ की यह धरती सिख गुरुओं के चरणों से पवित्र हुई। गुरुगोविंदजी की सीख हमेशा हमारी सरकार के लिए प्रेरणा रही है।

गुरुग्रंथ साहिब को हमारी सरकार मर्यादा के साथ भारत लाई

हमारी सरकार को गुरुनानक देव के 500वां प्रकाशवर्ष मनाने का सौभाग्य मिला। करतारपुर कॉरिडोर का काम पूरा हुआ। लंगर को टैक्स फ्री किया। हमारी ही सरकार है जो अफगानिस्तान में संकट के समय, जब निर्दोषों की हत्याएं हुईं, धर्म स्थानों पर हमले हुए। तब हम गुरुग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरुप को पूरी मर्यादा के साथ भारत लाए। ये हमारी ही सरकार है, जो बंटवारे के पीड़ितों के लिए सीएए लेकर आई। ये न होता तो अफगानिस्तान से आए भाईयों-बहनों का क्या हुआ होता। कांग्रेस इसका भी विरोध कर रही है। ऐसा लगता है कि 84 का बदला अब तक कांग्रेस सिखों से ले रही है। मोदी ने गारंटी दी थी कि कश्मीर को 370 से मुक्ति मिलेगी, आर्टिकल 370 इतिहास बन चुका है। तीन तलाक खत्म होगा, आज मुस्लिम बहनों को मुक्ति मिल चुकी है। गारंटी दी थी कि अर्थव्यवस्था को गड्ढे से निकालेंगे। आज भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

वित्त मंत्री बोलीं

हम इलेक्टोरल बॉन्ड फिर से लाएंगे

कांग्रेस बोली- सुप्रीम कोर्ट ने स्कीम को असंवैधानिक बताया था

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर फिर विवाद हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को फिर से वापस लाएंगे। इसके लिए पहले बड़े स्तर पर सुझाव लिए जाएंगे। सरकार के दोबारा से इलेक्टोरल बॉन्ड लाने की बात पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि इस बार वे कितना लूटेंगे। इससे पहले 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक फंडिंग के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- यह स्कीम असंवैधानिक है।

बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। इस पर जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि हम जानते हैं कि भाजपा ने पेपीएम ने घोटाले से 4 लाख करोड़ की लूट की। अब वे लूट जारी रखना चाहते हैं। जरा इन तरीकों पर ध्यान दें। पेपीएम 1- चंदा दो, धंधा लो। 2. पोस्टपेड घूस- ठेका दो, रिश्वत लो। प्री-पेड और पोस्टपेड के लिए घूस- 3.8 लाख करोड़। 3. पोस्ट-रेड घूस- हफ्ता वसूली।

पोस्ट-रेड घूस की कीमत- 1853 रुपए। 4- फर्जी कंपनियां- मनी लॉन्ड्रिंग। फर्जी कंपनियों की कीमत- 419 करोड़। अगर वे जीते और इलेक्टोरल बॉन्ड फिर से लेकर आए तो इस बार कितना लूटेंगे? इस मामले में कपिल सिब्बल ने कहा किमैं निर्मला सीतारमण का सम्मान करता हूं।

एक इंटरव्यू में वे कह रही हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड को फिर से लाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि जब पहली बार ये स्कीम ट्रांसपेरेंसी को ध्यान में रखकर लाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि इसमें पारदर्शिता नहीं थी। वे (सरकार) इसे नॉन-ट्रांसपेरेंट तरीके से लेकर आए। अब समस्या है कि उनके पास इस चुनाव के लिए तो पैसा है, लेकिन वे ये भी जानते हैं कि अगर हार गए तो भी पैसे की जरूरत होगी। मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं।

'जेल में केजरीवाल को दिया जा रहा स्लो पॉइजन'

आप का आरोप- सीएम को जान का खतरा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में 'स्लो पॉइजन' दिया जा रहा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि केजरीवाल का इंसुलिन लेवल लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उन्हें इंसुलिन की डोज नहीं दी जा रही है।

आप नेता ने दावा किया कि ऐसी साजिशें चल रही है कि अरविंद केजरीवाल की हत्या की जाए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि (अरविंद केजरीवाल) बार-बार (जेल के) डॉक्टर को बता रहे हैं कि उनका शुगर लेवल बढ़ रहा है। आप (जेल प्रशासन) मुझे इंसुलिन दीजिए, लेकिन (जेल के) डॉक्टर कह रहे हैं कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं. डीजी और डीआईजी से भी इंसुलिन मांगा लेकिन उन्होंने भी इंसुलिन

देने से इनकार कर दिया। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक एक्स पोस्ट में सीएम केजरीवाल के शुगर लेवल की रीडिंग शेयर की है। उन्होंने कहा कि यह 12 अप्रैल से 17 अप्रैल तक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शुगर लेवल की रीडिंग है। अगर इतने हाई शुगर लेवल पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी, तो व्यक्ति को धीरे धीरे मल्टीऑर्गन फेल्यर हो सकता है। यह कैसी क्रूर सरकार है जो डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन देने से मना कर रही है?।

दूरदर्शन के लोगो के बदले रंग पर विवाद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन के लोगो का रंग लाल से बदलकर नारंगी किया गया है। 16 अप्रैल को दूरदर्शन के अंग्रेजी चैनल डीडी न्यूज ने एक्स हैंडल पर नया प्रमोशनल वीडियो शेयर किया था। इसके कैप्शन में लिखा था कि हालांकि हमारे मूल्य वही हैं, अब हम एक नए अवतार में उपलब्ध हैं। ऐसी समाचार यात्रा के लिए तैयार हो जाएं जो पहले कभी नहीं देखी गई। बिल्कुल नए डीडी न्यूज का अनुभव करें। डीडी न्यूज - भरोसा सच का। अब दूरदर्शन के लोगो के बदले रंग को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है। विपक्ष से लेकर प्रसार भारती (डीडी, एआईआर) के पूर्व सीईओ और टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने दूरदर्शन लोगो के रंग के बदले जाने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह अब प्रसार भारती नहीं है - यह प्रचार भारती है। जवाहर सरकार ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि चुनाव से ठीक पहले प्रसार भारती के पूर्व सीईओ के रूप में दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होता है। एक तटस्थ पब्लिक ब्रॉडकास्टर अब पक्षपाती सरकार के साथ एक धर्म और संघ परिवार के रंग को शामिल करके मतदाताओं को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होता है। नेशनल ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन ने अपने ऐतिहासिक फ्लैगशिप लोगो को भगवा रंग में रंग दिया है। अपनी ब्रांडिंग के लिए भगवा रंग को चुना है।

इसका पूर्व सीईओ होने के नाते मैं इसके भगवाकरण को चिंता के साथ देख रहा हूं। मैं यह महसूस कर रहा हूं कि यह अब प्रसार भारती नहीं है - यह प्रचार भारती है। सरकार ने दूरदर्शन को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी बताया है।

सीबीआई ने घर-घर जाकर पूछा संदेशखाली का काला सच

कोलकाता ■ एजेंसी

सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम शनिवार को संदेशखाली पहुंची। सीबीआई टीम ने संदेशखाली पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी शिकायतें दर्ज कीं। टीम के कुछ सदस्यों ने घर-घर जाकर पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे पूरी जानकारी ली।

सीबीआई टीम ने बताया कि हमने संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध और जमीन कब्जाने के मामले की जानकारी ली और पीड़ितों के बयान दर्ज किए। कोर्ट ने सीबीआई को जांच कर अदालत में जांच रिपोर्ट देने को कहा है। टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथियों पर संदेशखाली में लोगों की जमीन कब्जाने और महिलाओं का यौन शोषण करने का गंभीर आरोप है। शाहजहां शेख समेत अन्य आरोपी जेल में बंद हैं। संदेशखाली के आरोपों पर नाराजगी जाहिर करते

हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली में अगर यौन उत्पीड़न के आरोप एक प्रतिशत भी सही हैं तो यह बेहद शर्मनाक स्थिति होगी। हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को भी फटकार लगाई थी।

संदेशखाली बीते काफी समय से चर्चाओं में बना हुआ है। बीती 5 जनवरी को ईडी की टीम जब राशन घोटाले में शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने गई थी, उस वक्त ईडी टीम पर हमला हुआ, जिसमें कई अधिकारी घायल हुए थे। इसके बाद जब शाहजहां शेख फरार था, उसी दौरान संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और लोगों की जमीन कब्जाने के मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद पुलिस ने शाहजहां शेख को गिरफ्तार कर लिया।

नापाक हरकत

महाराष्ट्र, त्रिपुरा, कर्नाटक और केरल में बढ़ रही लव जिहाद की घटनाएं

हिंदू लड़कियों को टारगेट कर करवा रहे धर्म परिवर्तन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

महाराष्ट्र, त्रिपुरा, कर्नाटक और केरल से लव जिहाद की घटनाएं बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में एक मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर ने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर एक हिंदू इंजीनियर लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कराया और निकाह कर लिया। तीनों ने उसके साथ मारपीट भी की। अब पुलिस ने तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर ने हिंदू महिला इंजीनियर _ को जबरन इस्लाम में कन्वर्ट कराया और निकाह कर लिया। इस मामले में पुलिस ने ताहेर पठान, तैय्यब शब्बीर पठान और

आयेशा बहेर पठान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि ताहेर पठान ने अपनी पहचान छिपाकर और खुद को अविवाहित बताकर हिंदू इंजीनियर लड़की को प्रेम जाल में फांसा और 11 फरवरी 2024 को उसे इस्लाम में कन्वर्ट करा दिया। ये लोग उस पर नमाज पढ़ने, बुर्का पहनने और जबरन निकाह करवाने में शामिल थे। इस मामले की एफआईआर सिटी चौक पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है।

त्रिपुरा के बिशालगढ़ पुलिस थाना इलाके से 15 अप्रैल को एक नाबालिग लड़की का स्कूल से घर लौटते समय अपहरण कर लिया गया। इस मामले में ज्योत्सना खातून नाम की महिला ने नाबालिग को गाड़ी में ये कहकर बिठाया कि वो लोग उसे घर छोड़ देंगे, इसके बाद मोहम्मद मुस्तफा गाड़ी को लेकर असम भाग गया। पुलिस ने उसे ही मास्टरमाइंड बताया है। इधर, कर्नाटक के हुब्बाली में कांग्रेस के निगम पार्षद की बेटी की उसके कॉलेज परिसर में हत्या कर दी गई। इस घटना पर भाजपा ने लव जिहाद का संदेह जताया और कहा कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति को दर्शाता है।

शॉर्ट न्यूज़

सगाई से इनकार पर नाबालिग युवती को पीटा, केस दर्ज

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग लड़की की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवक से सगाई की बात चल रही थी, लेकिन लड़की के माता-पिता ने मना कर दिया। इससे नाराज युवक ने लड़की को रास्ते में रोककर गाली-गलौज और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने 17 साल की नाबालिग लड़की की शिकायत पर आरोपी युवक अयान के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना हुसैनी चौक के पास खजराना की है। आरोपी से फरियादी की सगाई की बातचीत चल रही थी, लेकिन फरियादी के माता-पिता ने सगाई करने से मना कर दिया था। इसी बात को लेकर शुक्रवार दोपहर फरियादी किराना सामान लेकर आ रही थी तभी आरोपी रास्ते में मिला और सगाई नहीं करने की बात को लेकर गाली-गलौज कर मारपीट करने लगा साथ ही जान से मारने की धमकी दी।

मकान में आग लगने से एक युवक और डॉग की मौत

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के कुलकर्णी नगर के एक मकान में शुक्रवार रात आग लग गई। आग को बुझा दिया गया है, लेकिन मकान में रहने वाले व्यक्ति की जलने से मौत हो गई। एक डॉग भी आग की चपेट में आने से जलकर मर गया। पुलिस के मुताबिक दीपक पिता हरिदास कोरी की आगजनी में मौत हुई है। वह प्लंबर था। उसे बीड़ी पीने की आदत थी। बीड़ी पीते हुए सो गया था। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड कुलकर्णी नगर पहुंची। अंदर घुसकर देखा तो दीपक और उसका डॉग दोनों जल चुके थे। परिजनों ने प्रारंभिक जानकारी में पुलिस को बताया कि वो नशा भी करता था। आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है।

तेज हवा से कार पर गिरा पेड़

इंदौर। पालिका प्लाजा स्थित एमटीएच कंपाउंड में पेड़ गिरने से एक मारुति स्वीफ्ट कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से टूट गया। हादसा शनिवार को लगभग पांच बजे के आसपास हुआ। जब कार पर पेड़ गिरा तो उसमें कोई नहीं था इसलिए बड़ा हादसा होने से टल गया। इंदौर में शनिवार को दिनभर तेज हवाएं चली।

इंदौर में पिस्टल तानी, कपड़े भी फाड़े, पानी के छींटे उड़ने पर हुआ था विवाद

निगम के असिस्टेंट इंजीनियर व लाइनमैन को जमकर पीटा

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

नगर निगम के असिस्टेंट इंजीनियर और लाइनमैन के साथ शनिवार सुबह मारपीट की गई। आरोपियों ने उन पर पिस्टल तानी और कपड़े भी फाड़ दिए। अफसर सहित कई कर्मचारियों ने थाने जाकर दो युवकों पर एफआईआर कराई है। फिलहाल, आरोपी फरार हैं। निगम के नर्मदा प्रोजेक्ट के सहायक यंत्री पंकज दहायत और लाइनमैन कैलाशपुरी इलाके में निरीक्षण पर थे। उन्होंने यहां नर्मदा पाइप लाइन का प्रेशर चेक किया।

पास ही बन रहे मकान पर पानी की तराई की जा रही थी। इसके छींटे अफसरों को लगे। इसको लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई। दो युवकों ने इंजीनियर और लाइनमैन पर हमला कर दिया। पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी दी। खजराना थाना प्रभारी सुजित श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में फरियादी पंकज दहायत की शिकायत पर सरकारी काम में बाधा समेत मारपीट की धाराओं में आरोपी रितेश करोसिया और रितिक पर केस दर्ज किया है।

फरियादी पंकज दहायत का कहना है कि निगम की टीम कैलाशपुरी में नर्मदा पाइप लाइन चेक करने गई थी। पास ही कुछ महिलाएं मकान की तराई का काम कर रही थीं। पानी के छींटे अफसर और लाइनमैन पर आ रहे थे। मना करने पर महिलाओं ने विवाद शुरू कर दिया। इसी बीच उनके परिवार के कुछ युवक मौके पर आ गए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। मैंने अपने लाइनमैन से वहां से चलने को कहा। कुछ दूर आए तो देखा कि मेरा मोबाइल नहीं था। लाइनमैन को मौके से मोबाइल उठाकर लाने को भेजा। जब वह गया तो आरोपी रितेश ने पिस्टल निकाल ली और जान से मारने की धमकी दी। बाइक को भी लात मारकर गिरा दिया।

जान से मारने की धमकी

मैं लाइनमैन के साथ काशी नगरी में टी पॉइंट चेक करने गया था। वहां करोसिया परिवार ने पानी छींटे हमारे ऊपर उड़ने को लेकर विवाद किया। मारपीट की, कपड़े फाड़ दिए। मेरा मोबाइल गिर गया था, जब लाइनमैन को मोबाइल तलाशने वापस भेजा तो उसे पकड़ लिया और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

-**पंकज दहायत,** सहायक यंत्री, जोन-19

हमारे लाइनमैन और सहायक यंत्री के साथ मारपीट करने, कपड़े फाड़ने और पिस्टल दिखाकर धमकाने की घटना जोन 19 में हुई है। आयुक्त के संज्ञान में मामले को लाकर आरोपी करोसिया परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है।

-**संजीव श्रीवास्तव,** कार्यपालन यंत्री, जलप्रदाय विभाग

तेरे साहब को बुला वरना गोली मार दूंगा : पंकज ने वायरलेस सेट से विवाद की सूचना दी और कंट्रोल रुम से बल भेजने की मांग की। लाइनमैन ने पंकज को दूर खड़ा कर दिया और वह मोबाइल ढूंढने लगा। रितेश और प्रीतेश ने दोबारा मारपीट की और गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। लाइनमैन की कनपटी पर पिस्टल अड़ा दी और बोला की तेरे साहब को बुला वरना गोली मार दूंगा।

बोगस खातों से तस्करों को पहुंचे रुपए बंगाल के अपराधियों से जुड़े तार

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

करोड़ों की ब्राउन शुगर में तस्करों के तार पश्चिम बंगाल के साइबर अपराधियों से जुड़ते जा रहे हैं। पुलिस ने ऐसे 10 बोगस खातों की जानकारी जुटाई है, जिनमें पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों से तस्करों को भुगतान हुआ है। एसआईटी ने एक तस्कर को राजस्थान से हिरासत में भी लिया है। परदेशीपुरा पुलिस ने पिछले माह सात करोड़ रुपए कीमती ब्राउन शुगर के साथ आरोपित परसराम और उसके दामाद धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला माल (ब्राउन शुगर) मंदसौर-प्रतापगढ़ क्षेत्र में सक्रिय तस्कर गोगा भाई उर्फ मोहम्मद इशाक को गिरफ्तार किया। गोगा ने राजस्थान के दो तस्करों के नाम बताए तो अफीम किसानों से कच्चा माल लेकर ब्राउन शुगर तैयार कर रहे थे। तस्कर को घरों से फरार हो गए, लेकिन एसआईटी को बैंक खातों की जानकारी मिल गई। बैंक अफसरों ने बताया कि इन खातों में पश्चिम बंगाल से लाखों रुपए आए हैं। करीब दस खातों से दस से बार रुपए जमा करवाए गए है। इसके बाद शक की सूई साइबर अपराधियों की ओर मुड़ गई जो बोगस खातों का इस्तेमाल करते हैं। एसआईटी प्रभारी एसीपी नरेंद्र रावत ने जांच के लिए एक टीम भेजी है। ब्राउन शुगर की शुरुआती जांच परदेशीपुरा पुलिस ने की है। जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने एसआइटी गठित कर दी। एसआइटी के समक्ष गोगा ने बताया धर्मेंद्र और परसराम 10 से ज्यादा बार ब्राउन शुगर ले जा चुके हैं। उन्हें हावड़ा एक्सप्रेस से कोलकाता भेजा जाता था। पहुंचने पर वाट्सएप पर खरीदार के नंबर और फोटो भेज दिए जाते थे। माल (ब्राउन शुगर) की डिलीवरी होते ही फोटो और नंबर डिलीट हो जाते थे। जांच में पता चला कोलकाता का तस्कर हर बार नई सिम खरीदता था और माल लेने के तुरंत बाद सिम तोड़ कर फेंक देता था। एसआइटी वह डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर रही है। पश्चिम बंगाल के साइबर अपराधी डार्क नेट से जुड़े हैं। यहां हथियार, मादक पदार्थ और बैंक ग्राहकों के डेटा बिकता है। एसआइटी की जांच इसी दिशा में बढ़ रही है।

पत्नी को तीन तलाक देकर की मारपीट

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में तीन तलाक कहकर पति ने पत्नी को घर से निकाल दिया। पत्नी थाने में पुलिस को आवेदन दिया, जिस पर से पुलिस ने पति सहित तीन लोगों पर दहेज प्रताड़ना और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने फरियादी इकरा बी उम्र 21 साल निवासी जल्ला कॉलोनी खजराना की शिकायत पर आरोपी पति मोहम्मद सरताज निवासी जल्ला कॉलोनी खजराना, सास सायरा बी और जेठ शाहरुख के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित मुस्लिम विवाह अधिनियम में केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि पति, सास, जेठ द्वारा गाली गलौज कर मारपीट की गई। पति द्वारा तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। इस संबंध में पीड़िता ने पुलिस को आवेदन दिया था, जिस पर से केस दर्ज हुआ है।

स्मार्ट बाजार स्टोर में गार्ड की स्मार्ट चोरी

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

विजय नगर थाना क्षेत्र में शहर के स्मार्ट बाजार स्टोर में चोरी का मामला सामने आया है। यहां सिक्योरिटी गार्ड ने अपने रिश्तेदार के माध्यम से चोरी की। गार्ड ने रिश्तेदार को सामान सहित बिना चेक किए जाने दिया। बिल भी नहीं देखा। शंका होने पर जब स्टोर मैनेजर ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तब गार्ड की मिलीभगत का खुलासा हुआ। मामले में पुलिस ने स्टोर मैनेजर की शिकायत पर आरोपी गार्ड के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी प्रदीप दुबे उम्र 43 साल निवासी साई संपदा की शिकायत पर आरोपी महेश कुमार जाटव निवासी स्कीम नंबर 78 के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी प्रदीप ने पुलिस को बताया कि वो मल्हार मेगा मॉल में स्मार्ट बाजार स्टोर में स्टोर मैनेजर है। सामान चोरी की शंका होने पर जब सीसीटीवी चेक किए तो स्मार्ट बाजार में सिक्योरिटी गार्ड महेश कुमार जाटव कैमरे में चोरी करता नजर आया। गार्ड महेश अपने रिश्तेदार संतोष कुमार जाटव को बिना चेक किए और बिना बिल के स्मार्ट बाजार से निकलवाते हुए कैमरे में दिखा तब चोरी का खुलासा हुआ। मामले में विजयनगर थाना प्रभारी सीबी सिंह ने बताया कि अभी सीसीटीवी प्राप्त नहीं हुआ है। मामले में जांच की जा रही है।

भागने के चक्कर में गिरा मोबाइल चोर

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में पैदल बात करते हुए जा रहे युवक से मोबाइल चुराकर भाग रहा आरोपी बाइक सहित गिरा पड़ा। लोगों की मदद से फरियादी ने उसे पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने फरियादी रोशन धुर्वे उम्र 24 साल निवासी निवासी तेजाजी चौक पालदा की शिकायत पर आरोपी अजय ठाकुर उम्र 20 साल निवासी न्यू इंदिरा एकता नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना मातेश्वरी तोलकांटे के पास नेमावर रोड की है। फरियादी रोशन ने पुलिस को बताया कि वो मूसाखेड़ी से काम करके पैदल-पैदल फोन पर बात करते हुए घर जा रहा था। नेमावर रोड पर मातेश्वरी तोलकांटे के पहुंचा, तभी बायपास की ओर से बिना नंबर की बाइक पर एक लड़का आया और हाथ से मोबाइल जबर्दस्ती छीनकर भागने लगा। भागने के चक्कर में लड़का बाइक सहित नीचे गिर पड़ा। आसपास के लोगों की मदद से उसे पकड़ा। उसने अपना नाम अजय ठाकुर बताया। गिरने से आरोपी युवक के हाथ-पैर में मामूली चोट आई है।

सवा दो लाख रुपए का गांजा बरामद तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। आर्मी से रिटायर व्यक्ति को गांजा तस्करी के मामले में नारकोटिक्स विंग ने गिरफ्तार किया है। तलाशी में उसके घर से 11 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त हुआ है। डीआईजी नारकोटिक्स महेशचंद जैन के अनुसार आरोपी जितेंद्र पिता ओमप्रकाश निवासी श्याम नगर (हीरानगर) हैं। आर्मी से रिटायर होने के बाद आरोपी निजी बैंक में गार्ड की नौकरी करने के साथ घर से गांजे की पुड़िया बेचता था। जब्त गांजा सवा दो लाख रुपए का है। एक महिला के संपर्क में आने के बाद उसके खर्चे पूरे करने के लिए गांजे का धंधा कर रहा था। पूछताछ में उसके महाराष्ट्र के कुछ तस्करों से जुड़ा होने की बात सामने आई है जो कि सेंधवा बार्डर के पास उसे गांजा उपलब्ध करवाते थे।

करोड़ों रुपए की जमीन से हटाया अतिक्रमण

राजीव टाइम्स ■ इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर शनिवार को अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। उनके निर्देश पर राजस्व, जिला प्रशासन व पुलिस के संयुक्त बल द्वारा कार्रवाई की गई। बताया गया कि बिचौली हप्सी के ग्राम असरावद खुर्द में शासकीय भूमि सर्वे नंबर 37 रकबा 0.278 हेक्टेयर भूमि पर से 12 निर्माणाधीन मकानों के अतिक्रमण को हटाया गया, जिसकी वर्तमान बाजार मूल्य एक करोड़ 15 लाख 87 हजार 874 रुपए है।

रतलाम के ड्राइवर को लूटने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

ट्रेलर से रोड रोलर छोड़ने आए रतलाम के ड्राइवर को चाकू मारने वाले चार आरोपियों को राऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चारों आरोपी खजराना इलाके के रहने वाले हैं। आरोपियों से पुलिस को पिस्टल, चाकू और लूट के मोबाइल भी मिले हैं। आरोपियों में एक बदमाश कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। डीसीपी विनोद मीना की टीम ने तीन दिन पहले पलास परिसर के सामने बायपास पर अब्दुल सलाम कलाईगर रतलाम को चाकू मारने वाले आरोपियों को बड़वानी के पास से दबोच लिया है। आरोपियों ने अब्दुल सलाम से मोबाइल और नकदी लूटा था। इसके बाद मौके से फरार हो गए थे। पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल डाटा से इनकी तरफ बढ़ रही थी। इधर, डीसीपी जोन 1 ने अलग अलग टीमें बनाई थी, जिसमें तेजाजीनगर, मल्हारगंज और एरोड्रम के खुफिया के जवानों को शामिल किया गया। टीमें लगातार आरोपियों के पीछे लगी रही। पुलिस ने एक ढाबे के पास से सभी को पकड़ लिया है, जिसमें कल्लू उर्फ बिल्ला,अयान,बशीर शेख ओर शाहिद को टीम ने दबोच लिया। सभी खजराना इलाके के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से करीब आधा दर्जन लूट के मोबाइल, पिस्टल और चाकू मिले हैं। आरोपी बायपास और सुनसान इलाके में लूट की वारदातें करते थे। कल्लू कुछ समय पहले ही जेल से छूटा है।

टीआई देवेंद्र चंद्रवंशी की तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

जिये सिंधु ग्रुप द्वारा शहीद टीआई देवेंद्र चंद्रवंशी की पुण्यतिथि जूनी इंदौर थाना प्रांगण में मनाई गई। जिये ग्रुप के प्रभारी ने बताया कि कोरोना काल में ड्यूटी करते हुए कोविड का शिकार हुए थाना प्रभारी देवेंद्र चंद्रवंशी की मृत्यु हो गई थी। चंद्रवंशी एक निडर, बहादुर व निष्पक्ष कार्रवाई में विश्वास रखने वाले एक योग्य व ईमानदार

ऑफिसर थे। अपराधियों में उनका खौफ था। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डी सीपी झोन चार के ऋषिकेश मीणा, एडी डीसीपी आनंद यादव, एसीपी देवेंद्र सिंह धुर्वे, थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह जादौन, आमोद सिंह राठौर, राजकुमार यादव, समाजसेवी लालचंद छाबड़ा, नानक दावानी, मंशाराम राजानी, दौलत वीरवानी, त्रिलोक गुलानी, राकेश मटाई, राजेश वाधवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं थाना स्टॉफ व अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा शहीद की तस्वीर पर हार, पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग

राजीव टाइम्स ■ इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र की एक फैक्ट्री में शुक्रवार रात आग लग गई थी। धुआं और लपटें देख गांव वालों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस बीच लोगों ने तत्काल निजी टैंकर से आग बुझाना शुरू किया। कुछ देर में फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि इस बीच तक फैक्ट्री पूरी तरह आग की चपेट में आ गई थी। तेज हवा से आग की लपटें ऊपर तक उठ रही थी। बीच-बीच में धमाके भी हो रहे थे। फैक्ट्री में 50 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। सौभाग्य से शाम 5.30 बजे की शिफ्ट छूटने से कर्मचारी घर जा चुके थे। शॉर्ट-सर्किट से आग की संभावना जताई जा रही है।

नियमों का पालन अभ्यास मंडल और इस्बा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने जागरूकता अभियान चलाया

स्टूडेंट्स ने रेडिसन चौराहा पर संभाली यातायात व्यवस्था

राजीव टाइम्स ■ इंदौर

यातायात के नियमों का पालन करें तो बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। पिछले वर्ष दुर्घटनाओं में करीब 12 हजार लोगों की जान चली गई। नागरिक विशेष कर, युवा शपथ ले की यातायात के नियमों का पालन करेंगे, जिससे शहर के सभी लोगों को लाभ होगा और इंदौर यातायात में भी नंबर वन पर बन जाएगा। उक्त बातें अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सोनी ने अभ्यास मंडल द्वारा इस्बा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के सहयोग से रेडिसन चौराहे पर यातायात प्रबंधन के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं स्टूडेंट्स के बीच कही। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने कहा कि लापरवाही एवं नियमों की अवहेलना से दुर्घटनाएं होती हैं। इंदौर में यातायात की समस्या बढ़ती ही जा रही है। अतः हम घर से निकलते ही यह निर्णय करके निकलें कि यातायात के नियमों की अवहेलना नहीं करेंगे। नागरिकों को बाय साइड के टर्निंग पर विशेष ख्याल रखेंगे तो यातायात निर्बाध गति से चलता रहेगा। इस मौके पर लोकसभा चुनाव में अपने

मतों का अधिकतम उपयोग कर भारी मतदान करने की अपील की गई। अभ्यास मंडल के कार्यकर्ताओं और इस्बा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के स्टूडेंट्स एवं व्याख्याता द्वारा शनिवार सुबह रेडिसन चौराहे पर यातायात प्रबंधन का कार्य किया गया। इस अवसर पर पूर्व कलेक्टर सीबी सिह, एसीपी मनोज खत्री, डॉ. एसएल गर्ग, श्याम सुंदर यादव, दिलीप वाघेला, मनीषा गौर, एन के उपाध्याय, आजिंक्य डगांवकर, मुरली खंडेलवाल, सुशीला यादव, इस्बा इंस्टिट्यूट के चेयरमैन डॉ. रंजन मित्तल, प्राचार्य डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री, प्रो. ऋचा पांडे, प्रो. कमलेश नामदेव, प्रो. अंकित जैन, प्रो. चंद्र प्रकाश चौधरी आदि ने यातायात प्रबंधन में सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सोनी ने स्टूडेंट्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रारंभ में अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, एन के उपाध्याय, डॉ. मनीषा गौर आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. माला सिंह ठाकुर ने किया। अंत में आभार शफी शेख ने माना।

फूटी कोठी ब्रिज चालू होते ही कम हो जाएगा यातायात का दबाव

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

शहर के पश्चिम क्षेत्र का रिंग रोड तो पूरा नहीं बन सका, लेकिन अधूरे रिंग रोड पर बन रहे पहले फूटी कोठी ब्रिज का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अगले चार माह में यह बनकर तैयार हो जाएगा और पश्चिमी क्षेत्र के यातायात को पूर्वी क्षेत्र की तरफ जाने में आसानी होगी।

फूटीकोटी चौराहा से अहमदाबाद औरधार की तरफ से आने वाले भारी वाहन मुंबई आगर मार्ग की तरफ जाते है। भारी वाहनों के कारण अक्सर हादसे का अंदेशा बना रहता है, लेकिन ब्रिज बनने से हादसे की आशंका भी कम हो जाएगी। महूनाका से हवा बंगला की तरफ जाने वाला ट्रैफिक ब्रिज के नीचे से होकर गुजरेगा। इस ब्रिज की खासियत यह है कि मध्य हिस्से में कोई पिलर नहीं है। मध्य हिस्सा स्टील का बनाया गया है।

इस कारण इसका निर्माण भी जल्दी हो रहा है। सालभर पहले इसका निर्माण शुरू हुआथा। आईडीए अफसरों के अनुसार ब्रिज के निर्माण में ज्यादा बाधक हिस्से नहीं थे। इस कारण तय समय पर काम शुरू हो गया। छह लेन ब्रिज की चौड़ाई 24 मीटर है। इसके निर्माण पर 55 करोड़ रुपए की लागत आएगी। ब्रिज की लंबाई 625 मीटर है। इस ब्रिज के बनने से चौराहा सिग्नल फ्री हो जाएगा। धार रोड से राजेंद्र नगर या भंवरकुआकी तरफ जाने वाला ट्रैफिक ब्रिज के ऊपर से गुजर जाएगा।

ब्रिज बनने से पहले चौराहे पर ट्रैफिक गुत्थम गुत्था होता था। पश्चिम क्षेत्र में इससे पहले केसरबाग ब्रिज बनाया गया था, लेकिन उसके निर्माण में छह साल से ज्यादा का समय लगा। फूठीकोठी ब्रिज तय समयसीमा में बनकर तैयार हो जाएगा। इस ब्रिज के अलावा इंदौर में भंवरकुआ चौराहा और खजराना चौराहे पर भी ब्रिज बन रहे है, जो सालभर में बनकर तैयार हो जाएंगे। खजराना ब्रिज की एक भुजा तीन माह के भीतर ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी।

आचार संहिता के कारण नियुक्ति, पदस्थापना और स्थानांतरण पर है रोक

महिला शिक्षक को फायदा पहुंचाने के लिए प्राचार्य ने किया अटैचमेंट

चुनाव आचार संहिता का सरासर उल्लंघन मामला गांधीनगर संकुल का मामला

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

देशभर में चुनाव है और चुनाव की घोषणा के साथ चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता की घोषणा भी की है। चुनाव आचार संहिता के मुताबिक किसी भी कर्मचारी की नियुक्ति, पदस्थापना, स्थानांतरण अर्थात स्थान परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। अगर शासन को किसी कर्मचारी का स्थान परिवर्तन करना ज्यादा जरूरी प्रतीत होता है, तो इसके लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेना पड़ती है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग का गांधीनगर संकुल चुनाव आयोग की इस लक्ष्मण रेखा को नहीं मानता है।

इंदौर ग्रामीण के संकुल गांधीनगर के प्राचार्य ने इसी माह एक आदेश जारी कर एक महिला शिक्षक को उसकी मूल संस्था से स्थानांतरित करते हुए दूसरी संस्था में अटैच कर दिया है। जिस विद्यालय में महिला शिक्षक को अटैच किया गया है, वहां बच्चों की दर्ज संख्या पिछले एक दशक में दहाई का अंक तक नहीं छू सकी है। विभाग की नीति के तहत अटैच विद्यालय को कम छात्रसंख्या के आधार पर समीप के विद्यालय में मर्ज किया जाना था, मगर ऐसा करने के बजाय इस स्कूल को शिक्षक की आरामगाह बना दिया गया है। देशभर मे 19 अप्रैल से चुनाव की घोषणा की गई है। यूं तो पूरे देश में सात चरणों में चुनाव होने हैं, मगर मध्यप्रदेश में चार चरण में चुनाव निपट जाएंगे। आयोग की घोषणा के अनुसार इंदौर संसदीय सीट पर 13 मई को मतदान होना है, जबकि चुनाव परिणाम यानि वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

जाहिर है कि आचार संहिता 4 जून के बाद ही समाप्त होगी। आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने और कराने के लिए अधिकारियों को ताकीद किया गया है, मगर इंदौर ग्रामीण के संकुल गांधीनगर के प्राचार्य एसके गर्ग इसे नहीं मानते हैं। उनके कार्यालय संकुल उमावि गांधीनगर के पत्र क्रमांक 172 और पृष्ठांकन क्रमांक 173 दिनांक 01 अप्रैल के द्वारा आदेश जारी किया है। यह आदेश शामावि टिगरियाबादशाह की प्राथमिक शिक्षक सुनीता चतुर्वेदी के नाम है। इस पत्र की प्रति जिला शिक्षा इंदौर, शामावि टिगरिया बादशाह के प्रधान अध्यापक और शाप्रावि पिपलियातफा के प्रधान अध्यापक को भी दी गई है। संकुल प्राचार्य ने अटैचमेंट के लिए जारी आदेश में पिपलियातफा के प्रधान अध्यापक के पत्र का जिक्र किया है और उनके अनुरोध को मानते यह अटैचमेंट किया गया है।

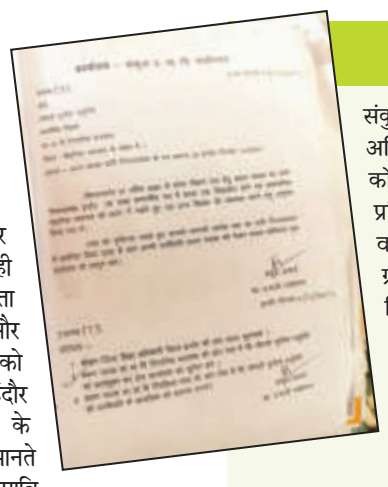

वरिष्ठ अधिकारी अनुमति लेना भी उचित नहीं समझा

संकुल प्राचार्य को शैक्षणिक व्यवस्था करने की आड़ में अटैचमेंट के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारी से अनुमति लेना चाहिए, लेकिन बताते हैं कि इस प्रकरण में जिला प्रशासन से भी कोई अनुमति नहीं ली गई है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेशभर में शिक्षकों के अटैचमेंट पर प्रतिबंध लगा हुआ है। विभाग ने प्रतिबंध करने पर सख्त चेतावनी भी जारी की है, लेकिन वरिष्ठ कार्यालय की चेतावनी का इन अधिकारियों पर कोई असर नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थ कर्मचारियों को फायदा पहुंचाने के लिए उसे शहर के नजदीक के विद्यालयों में अटैच करा दिया जाता है। कुछ एप्रोज वाले तो कार्यालय में भी अटैच हो जाते हैं तो कुछ जनप्रतिनिध के यहां बाबू बन जाते हैं। इधर अटैचमेंट पर रोक और उधर चुनाव आचार संहिता की लगाम होने के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी बेलगाम हो गए हैं और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए महिला शिक्षक को अपनी मूल संस्था से अन्यंत्र अटैच कर दिया है। प्राचार्य का फरमान जारी होते हुए ही टिगरिया बादशाह के प्रधान अध्यापक ने आचार संहिता के उल्लंघन पर कोई अंगुली नहीं उठाते हुए अपने विद्यालय की महिला शिक्षक को प्रा.वि. पिपलियातफा के लिए रिलीव भी कर दिया और बताते हैं कि पिपलियातफा के प्रधान अध्यापक ने भी उसे ज्वाईन कर लिया है। इस पूरी प्रक्रिया में दो हफ्तों से ज्यादा समय गुजर चुका है, मगर विभाग के अधिकारियों ने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की है।

स्कूल शिक्षा विभाग का यह फरमान भी कोई भी विद्यालय एक शिक्षकीय नहीं रहेगा, इसलिए प्रत्येक प्राथमिक स्कूल में दो-दो शिक्षकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन साथ में यह निर्देश भी दिया गया है, ऐसी व्यवस्था उन स्कूलों में की जाए, जहां छात्र संख्या 20 से ज्यादा हो। छात्र संख्या 20 से कम होने पर उस स्कूल को समीप के विद्यालय में मर्ज कर दिया जाए। बताते हैं कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय में छात्रसंख्या 4 या 5 ही रहीं है याने यहां की छात्रसंख्या ने विगत एक दशक में दहाई अंक को भी नहीं छुआ है। ऐसे में इस स्कूल को मर्ज करने के बजाय शिक्षक की व्यवस्था करना विभाग पर आर्थिक बोझ बढ़ाने जैसा ही है।

24 को अक्षय और 25 को शंकर भरेंगे लोकसभा का पर्चा, मोहन यादव और कमलनाथ आएंगे

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए दोनों ही प्रमुख पार्टियां कांग्रेस और भाजपा जमकर प्रचार कर रही हैं। 25 अप्रैल को इंदौर में नामांकन का आखिरी दिन है। भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी इसी दिन अपना नामांकन फॉर्म दाखिल करेंगे। वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम एक दिन पहले 24 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे। दोनों ही प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने के दौरान पार्टियों के बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे। 25 अप्रैल को शंकर लालवानी का नामांकन दाखिल करवाने के लिए खुद सीएम डॉ. मोहन यादव भी आएंगे। वे यहां पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। यह कार्यक्रम इंदौर की विधानसभा क्रमांक-1 स्थित दलाल बाग में होगा। भाजपा ने दावा किया है कि इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसियों को भी पार्टी में शामिल कराया जाएगा।

अक्षय के लिए आएंगे कमलनाथ कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम के साथ 24 अप्रैल को नामांकन के दिन प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और मप्र कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह भी नजर आएंगे। कांग्रेस ने नामांकन के पहले रैली के आयोजन का मन बनाया था, लेकिन अब कांग्रेस ने घोषणा की है कि नामांकन के पहले रैली की बजाए आमसभा करेगी। कांग्रेस प्रत्याशी अहिल्या प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मोती तबेला पहुंचेंगे। वहां आमसभा होगी। इसके बाद उम्मीदवार पांच लोगों के साथ नामांकन दाखिल करने निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर पहुंचेंगे।

बेवजह फाइल पेंडिंग पर कार्रवाई

कलेक्टर सिंह ने चार तहसीलदारों के खिलाफ जांच बैठाई, 4 का वेतन काटा

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

पटवारियों और रेवेन्यू इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब कलेक्टर आशीष सिंह ने तहसीलदारों पर सख्ती की है। आठ तहसीलदार-नायब तहसीलदार के कामकाज में गड़बड़ियां मिली है। गड़बड़ी की शिकायत रेवन्यू कोर्ट ने की थी। इनमें से चार तहसीलदारों का एक माह का वेतन राजसात करने के साथ विभागीय जांच शुरू की गई है। ऐसे ही चार तहसीलदारों का एक हफ्ते का वेतन राजसात करने के आदेश दिए हैं।

कलेक्टर ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने विभाग का दौरा किया था। उस दौरान पटवारियों, रेवन्यू इंस्पेक्टर की भूमिका में गड़बड़ियां पाई गई थी। इस पर अपर कलेक्टर को आठ तहसीलदारों के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। तहसीलदार योगेश मेश्राम (कनाड़िया), जगदीश रंधावा (जूनी इंदौर), शैवालसिंह (मल्हारगंज) और नायब तहसलीदार जितेंद्र वर्मा (मल्हारगंज) के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां मिली। तहसीलदार शिखा सोनी (बेटमा), नायब तहसलीदार जितेंद्र सोलंकी (खुडैल), नायब तहसीलदार चौखालाल (सांवेर) और नायब तहसीलदार धर्मेंद्रसिंह चौहान का एक हफ्ते का वेतन राजसात किया गया है। इसके साथ की कड़ी चेतावनी दी गई है।

हुकमचंद मिल पेड़ों की होगी कटाई

इंदौर। हुकमचंद मिल की 42 एकड़ जमीन पर अब हाऊसिंग बोर्ड का कमर्शियल व रेसीडेंशियल प्रोजेक्ट आकार लेगा। बोर्ड ने जमीन का कब्जा ले लिया है औरआठ गार्ड भी परिसर में तैनात किए गए है। निर्माण से पहले परिसर में लगे सैकड़ों पेड़ हटाए जाएंगे। इसके लिए बोर्ड ने नगर निगम से अनुमति ले ली है। पेड़ों की नंबरिंग भी की गई है। हाऊसिंग बोर्ड अफसरों का कहना है कि ज्यादातर पेड़ बचा लिए जाएंगे औरजो प्रोजेक्ट में बाधक बनेंगे। उनका प्रत्यारोपण भी किया जाएगा। चार माह बाद बोर्ड मिल परिसर में काम शुरू कर सकता है। अभी मिल परिसर पर लाए जाने वाले प्रोजेक्ट की डीपीआर नहीं बनी है। आचार संहिता हटने के बाद काम डिजाइन तय होगी।

दिन में गर्म हवाओं के थपेड़े तो रात में भी सता रही गर्मी

इंदौर। पिछले 24 घंटे में इंदौर में मौसम बदलने के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद गर्मी के तेवर कुछ खास नरम नहीं हुए हैं। दिन में गर्म हवाओं के थपेड़ों से लोगों के पसीने छूट रहे हैं। रात में तापमान ज्यादा होने से लोग परेशान हैं। दरअसल दो दिनों से बादल नहीं हैं, लेकिन गर्म हवा से बेचैनी बरकरार है। शनिवार को दिन में बादल के पीछे से दिनभर सूरज की लुकाछिपी जारी रही। वहीं उमस और गर्मी से आमजन का बुरा हाल रहा। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 38.25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शिनवार के मुकाबले गुरुवार को दिन का पारा 40 डिग्री से ज्यादा था। इस दौरान 19 किमी प्रति घंटे की गर्म हवाओं के चलने से लोग बेहाल हो गए थे। रात को मौसम का मिजाज अभी गर्म ही है। शनिवार रात का तापमान 25 (+4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अप्रैल में इस बार शुरू से ही तापमान औसत से ज्यादा ही बना हुआ है। दिन का तापमान 3 अप्रैल को पहली बार 38.4 (+1) डिग्री पर आया था। इसके बाद फिर सामान्य से कम ही रहा। फिर 15 अप्रैल से 17 अप्रैल तक 39 डिग्री रहा। यह औसतन से 1 डिग्री ज्यादा रहा। 18 अप्रैल को पहली पार 40 डिग्री के पार पहुंचा था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दो दिनों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। इससे इंदौर संभाग में कहीं-कहीं बारिश होने के आसार हैं।

मॉर्निंग वॉकर ग्रुप ने भगवान महावीर स्वामी की निकाली प्रभातफेरियां

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

भगवान महावीर का जन्म कल्याण महोत्सव पूरे देशभर में 21 अप्रैल को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उसी कड़ी में शहर में भी रविवार को सुबह 8 बजे राजबाड़ा महावीर भवन से भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा। जिसमें समाजजन की विशाल संख्या में उपस्थिति होगी। वरघोड़ा खजूरी बाजार, गोराकुंड, मल्हारगंज, बड़ागणपति, महावीर बाग होकर एयरपोर्ट रोड स्थित दलाल बगीची पर समाप्त होगा। उसके बाद धर्मसभा एवं स्वामी वात्सल्य का विशेष आयोजन किया जाएगा।

महावीर जन्म कल्याण दिवस एक दिन पूर्व शनिवार को सुबह नगर के पूर्वी क्षेत्र में रेसकोर्स रोड मॉर्निंग वॉकर ग्रुप द्वारा भव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई रानी सती गेट, वल्लभ नगर जैन मंदिर होकर समता भवन जैन स्थानक यशवंत निवास रोड पर धर्म सभा के रूप में परिवर्तित हुई। वहां पर विराजित महासतीजी ने सभा को संबोधित किया और मंगल पाठ सुनाया।

सभा में विशेष रूप से लोकसभा प्रत्याशी समाज के युवा साथी भाई अक्षय बम ने महावीर जन्म कल्याण की शुभकामनाएं दीं। प्रभातफेरी में नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों के साथ ही क्षेत्रीय समाजजन सहित 500 से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रभातफेरी को सफल बनाया। समता भवन संघ की ओर से नवकारसी की व्यवस्था रखी गई थी। इसी श्रृंखला में प्रकार नगर के पश्चिम क्षेत्र महेश नगर से भव्य प्रभातफेरी समाजजन की विशाल उपस्थिति में निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए राजमोहल्ला जैन स्थानक पहुंची, जहां धर्म सभा में परिवर्तित हुई। महासती पूज्यश्री रमणीक कुंवर ने धर्मसभा को संबोधित किया।

महावीर जयंती विशेष जैन समाज भगवान महावीर की 2550 वीं जयंती मनाएगा आज, जिनालयों में होंगे कई धार्मिक कार्यक्रम

मानव जीवन को सार्थकता प्रदान करता महावीर दर्शन

दीपक जैन "टीनू"

जैन धर्म 24 तीर्थंकरों के जीवन और शिक्षा पर आधारित है। तीर्थंकर यानी वो आत्माएं जो मानवीय पीड़ा और हिंसा से भरे इस सांसारिक जीवन को पार कर आध्यात्मिक मुक्ति के क्षेत्र में पहुंच गई हैं। जैन धर्म के साथ ही प्रत्येक जाति-धर्म के लिए 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का खास महत्व है। वे भारतीय साहित्य और धर्म के भी महत्वपूर्ण व्यक्तित्व हैं। उनकी शिक्षाएं जैन धर्म के मूल तत्वों पर आधारित हैं और प्रत्येक समाज में सही जीवन जीने के लिए एक मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। उनकी शिक्षाएं जीवन की गुणवत्ता, शांति और सामर्थ्य के लिए एक मार्गदर्शन का कार्य करती हैं।

महावीर स्वामी का जन्म लगभग 599 ईसा पूर्व हुआ था। उनके पिता का नाम सिद्धार्थ और माता का नाम तृषला था। वे वैशाली नगरी में जन्मे थे। महावीर का जन्म बहुत ही आध्यात्मिक परिस्थितियों में हुआ था। उनके प्रारंभिक जीवन का विवरण उनके अनेक लोकप्रिय कथाओं और परंपराओं में मिलता है। उनके पिता सिद्धार्थ ने उन्हें संसारिक विषयों से दूर रखकर आध्यात्मिक जीवन का आदान-प्रदान कराया। महावीर स्वामी ने अपने जीवन को आध्यात्मिकता के माध्यम से समृद्ध किया। उन्होंने समाज में निराधारितता, विवेकहीनता और दुख की परिणामकारी प्रकृति को दूर किया। उनका जीवन साधना, संयम, और समर्पण का प्रतीक था। महावीर स्वामी ने अपने जीवन में अनेक उदाहरण स्थापित किए जो हमें धर्म, आध्यात्मिकता और सहिष्णुता के महत्व को समझाते हैं। भगवान महावीर का जीवन परम्परागत रूप से एक तपस्वी और ध्यानी के रूप में चित्रित किया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन को संयम, संतोष, और परम आत्मसमर्पण के माध्यम से व्यतीत किया। उनके उपदेशों का उद्दीपन देने वाला हर एक शब्द एक गहरे संदेश को व्यक्त करता है, जो मनुष्य को उनके अंदरीय और बाह्य जीवन को सही राह दिखाने में मदद करता है।

यह वर्ष भगवान महावीर का 2550 वां जयंती वर्ष है। स्वाभाविक रूप से न केवल जैन समाज अपितु संपूर्ण भारतीय समाज इस ऐतिहासिक अवसर को भगवान महावीर के आदर्श को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उपयोग करना चाहता है। भगवान महावीर के दर्शन ने संपूर्ण मानव जाति को अपने उस अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित किया है, जिसके अंतर्गत यह

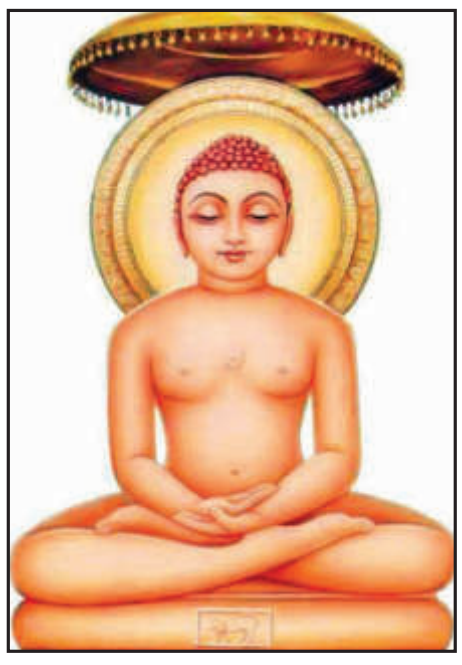

कहा जाता है की आत्मिक आनंद की अनुभूति भौतिक संसाधनों में नहीं है अपितु साधना पथ पर है। विश्व की सभी संस्कृतियां भगवान महावीर के इस दर्शन को आत्मसात कर निश्चय ही मानव जीवन के इस अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति में सफल सिद्ध होगी। महावीर स्वामी की शिक्षाएं विविधताओं में व्याप्त हैं, लेकिन उनके चार मुख्य सिद्धांत हैं - अहिंसा, अपरिग्रह, अस्तेय, और ब्रह्मचर्य। ये सिद्धांत जैन धर्म के चार आवश्यक रत्न (जीव, ज्ञान, ध्यान, और धर्म) के अभिन्न अंग हैं और सभी जीवों के लिए शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। अहिंसा, जो अनिर्देशित हिंसा के अभाव को संकेत करता है, उनका प्रमुख सिद्धांत है।

वे मानते थे कि सभी जीवों में जीवन है और इसलिए हमें सभी के प्रति सहानुभूति और समर्पण का भाव रखना चाहिए। उनका यह सिद्धांत न केवल व्यक्तिगत रूप से हिंसा से बचने की बात करता है, बल्कि समाज में समानता, शांति, और सहयोग के लिए भी उत्साहित करता है। अपरिग्रह और अस्तेय उनके द्वितीय और तीसरे मुख्य सिद्धांत हैं, जो संयम, सादगी, और उदारता के प्रति आह्वान करते हैं। अपरिग्रह उनकी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो संपत्ति और सामग्री के प्रति आत्मनियंत्रण को संजोने का काम करता है। भगवान महावीर स्वामी का चौथा मुख्य सिद्धांत ब्रह्मचर्य है, जो ब्रह्मा के साथ चार्य का अर्थ है। इस सिद्धांत के अनुसार, व्यक्ति को अपने विचारों, वचनों, और कर्मों को नियंत्रित करना चाहिए और सम्यक् चारित्र के माध्यम से अपने जीवन को ब्रह्मचर्य में बिताना चाहिए। महावीर स्वामी की शिक्षाएं आध्यात्मिक विकास और समृद्धि के लिए एक मार्गदर्शक रूप हैं। उनके उपदेशों का अनुसरण करने से मनुष्य अपने अंतरंग और बाह्य जीवन में संतोष, शांति और समृद्धि को प्राप्त कर सकता है। उनके उपदेशों का महत्वपूर्ण अंग है ध्यान और विचार, जो व्यक्ति को अपने आत्मा की शुद्धि और उन्नति के लिए प्रेरित करता है।

महावीर जयंती का उत्सव जैन समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसा त्योहार है जो सामाजिक एकता, सहिष्णुता और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है। महावीर स्वामी के संदेश ने समाज को धर्म, सहिष्णुता, और समझदारी की ओर प्रेरित किया। उनके जीवन और संदेश को याद करने के लिए महावीर जयंती का उत्सव मनाया जाता है जो समाज को धार्मिक और आध्यात्मिक उत्साह से भर देता है। समाज में शांति, समृद्धि, और सहयोग के लिए, भगवान महावीर स्वामी की शिक्षाओं को सहर्ष स्वीकार किया जाना चाहिए। उनके उपदेशों को अपनाकर, हम सभी एक सशक्त, सामर्थ्यशाली और धार्मिक समाज का निर्माण कर सकते हैं, जो सभी जीवों के साथ संवाद, समर्थन, और सहयोग को प्रोत्साहित करता है। भगवान महावीर स्वामी के उपदेश हमें एक सद्भावनापूर्ण और आदर्श समाज की दिशा में अग्रसर कर सकते हैं।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के सह मीडिया प्रभारी हैं)

आजादी के 'गुमनाम' सिपाही हैं हेमू

19 की उम्र में देश के लिए फांसी पर चढ़े, 'सिंध के भगत सिंह' कहलाए

एक लंबे संघर्ष के बाद भारत को आजादी मिली। भगत सिंह, आजाद, राजगुरु, सुखदेव, महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस जैसे नाम इसके नायक बनकर उभरे और इतिहास के पन्नों में दर्ज हुए। वहीं कुछ नाम गुमनामी के अंधेरे में कहीं खो से गए। स्वतंत्रता में उनके योगदान की कहानियां तो दूर, कई लोग उनका नाम तक नहीं जानते हैं। आजादी के 'गुमनाम' सिपाही के रूप में एक खास सीरीज लेकर आया है, जिसमें हम ऐसे नायकों के बारे में बात करेंगे, जो देश के लिए मर मिटे। सबसे पहली कहानी महान क्रांतिकारी हेमू कालाणी की। वहीं, हेमू जो महज 19 साल की उम्र में देश के लिए फांसी के फंदे पर चढ़ गए। हेमू की एक पहचान यह भी है कि उन्हें 'सिंध का भगत सिंह' भी कहा जाता है। हेमू का जन्म 23 मार्च 1923 को सिंध के सक्खर में हुआ था। पिता पेसूमल ईंट के भट्ठे चलाते थे, उनकी गिनती समाज के सम्मानित और इज्जतदार लोगों में होती थी. वहीं, मां जेठी बाई घर संभालती थीं। ''कौमी झंडा फहराए फर-फर, दुश्मन का सीना कांपे थर-थर, आया विजय का जमाना, चलो शेर जवानों..''। हेमू महज सात साल के थे, जब उपरोक्त लाइन को गुनगुनाते, देश प्रेम के गीत गाते और भारत की जय-जयकार करते हुए वो बच्चों के प्रभात रैली का नेतृत्व करते थे। कुल मिलाकर हेमू बचपन से ही देशभक्ति की बातों और महान क्रांतिकारियों की अजीम कुर्बानी को सुनते हुए बड़े हुए, उनके अंदर देश के लिए मर मिटने का जज्बा हमारी सोच से भी शायद कहीं ऊपर था।

अंग्रेजों को बेखौफ होकर ललकारते थे हेमू

हेमू कालाणी गांव के प्राइमरी स्कूल से पांचवीं कक्षा पास करने के बाद जिले के तिलक हाईस्कूल कॉलेज में प्रवेश ले लिया। पढ़ाई के साथ हेमू खेलकूद में भी काफी होनहार थे, उन्हें कुश्ती में महारत हासिल होने के साथ क्रिकेट, कबड्डी और फुटबॉल, तैराकी, साइकिलिंग आदि खेलों में भी काफी रुचि थी। छोटी सी उम्र में ही पढ़ाई के दौरान हेमू ब्रिटिश सरकार के खिलाफ होने वालों आंदोलनों में हिस्सा लेने लगे। उन्होंने जालिम और क्रूर हुकूमत को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया और अपनी जान हथेली पर रखकर अंग्रेजी अफसरों को ललकारते रहे। इतिहासकारों के अनुसार जब गांव में ब्रिटिश अधिकारी का काफिला आता तो लोग डर के मारे घरों में छिप जाते थे, लेकिन हेमू उन अधिकारियों के सामने निडर होकर कहते कि जान देना देश पर, यह वीर का काम है!, मौत की परवाह ना कर, जिसका हकीकत नाम है। देशभक्ति की ललक जगाती उनकी तमाम पक्तियां लोगों में आजादी की भावना को जन्म देती. हर कोई उनके साहस और निडरता का मुरीद हो चला था।

जब पिता को छुड़ाने बंदूक लेकर निकल पड़े

इतिहासकारों के मुताबिक एक बार जब हेमू कालाणी अपने घर आए, तो उन्होंने देखा उनकी मां रो रही हैं, वो परेशान हो गए। उन्होंने मां से पूछा आखिर क्या मामला है, तब मां ने उन्हें बताया कि अंग्रेजों ने उनके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। हेमू को पिता की गिरफ्तारी बर्दाश्त नहीं हुई। वो उन्हें हर हालत में अंग्रेजों के चंगुल से छुड़ाने की कसम खा ली। अपने एक साथी के साथ बंदूक लेकर निकल पड़े, जब उनकी टीचर को उनके बारे में पता लगा तो उन्होंने हेमू को बहुत समझाया। उन्होंने उन्हें होश से काम लेने को कहा। इसके अलावा उनकी अध्यापिका ने उनसे कहा था कि हेमू जब तक हमारे पास एक मजबूत संगठन नहीं होगा। हम अंग्रेजों का कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं।

स्वदेशी अपनाओ, विदेशी का किया बहिष्कार

आगे हेमू ने स्वराज्य सेना मंडल ज्वाइन कर लिया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने का काम किया। अपने साथियों के साथ लोगों के अंदर स्वदेशी अपनाओ और विदेशी मालों के बहिष्कार करने की चेतना जगाने के लिए मुहिम छेड़ दी, वह लोगों के घर जाकर, रैलियां करके लोगों को जागरुक करते रहे। हेमू विदेशी कपड़ों जमा करके उसे जला देते, ताकि इसका पुरजोर तरीके से विरोध हो सके। अपने साथियों के संग जब हेमू बैठते तो अपने गले में फांसी का फंदा डालकर शहीद क्रांतिकारियों को याद करते थे, उनका मानना था कि ऐसा करने से उनके अंदर देशभक्ति की उमंग दौड़ने लगती है। वतन की खातिर मर मिटने का जज्बा पैदा होता है।

हिरासत के दौरान अंग्रेजों ने प्रताड़ित किया

योजना के मुताबिक तीनों क्रांतिकारी मिशन को अंजाम देने के लिए पहुंचे, तभी अंग्रेजी सेना ने उन्हें देख लिया। हेमू ने जब सिपाहियों को पास आते देखा, तो उन्होंने अपने साथियों से भागने के लिए कहा, वो खुद वहीं खड़े रहे। ब्रिटिश सेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया, उन पर मुकदमा चलाया गया। हेमू कालाणी वैसे भी अंग्रेजी हुकूमत की आंखों में खटक रहे थे। पहली बार वो अंग्रेजों के हत्थे चढ़े थे, उन्हें जेल के अंदर बहुत ही ज्यादा प्रताड़ित किया गया, लेकिन उन्होंने अपने साथियों का नाम नहीं बताया। ब्रिटिश हुकूमत ने 19 वर्षीय हेमू कालाणी के साहस से खौफ खाकर उन्हें फांसी की सजा सुना दी, जिसके बाद उनके परिवार, साथियों और दोस्त गमगीन थे, लेकिन हेमू की आंखों में एक चमक, चेहरे पर मुस्कान, अजीब से कशिश थी, फिर क्यों ना हो, जब उनका शहीद भगत सिंह की तरह देश के लिए शहीद होने का सपना पूरा होने वाला था।

19 की उम्र में फांसी के फंदे पर झूल गए

ब्रिटिश हुकूमत के इस फैसले के बाद सिंध में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन होने लगे। कई बड़े क्रांतिकारी भी इसके खिलाफ थे। बावजूद इसके जालिम अंग्रेजीं हुकूमत ने महज 19 साल की उम्र में 23 जनवरी 1943 को हेमू कालाणी को फांसी के फंदे पर लटका दिया। हेमू शहीद हो चुके थे। सिंध के लोग गमगीन थे, उन्होंने अपना बहादुर आजादी का सिपाही खो दिया था, उनके अंतिम संस्कार में भारी तादाद में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जिन्हें लोग सिंध के भगत सिंह के नाम पर याद करते हैं। आज महान आजादी के सिपाही हेमू कालाणी भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन इतिहास में उनकी कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता, उन्हें किताब के कुछ पन्नों तक गुमनाम के तौर पर नहीं छोड़ा जा सकता।

जब अंग्रेजों के 40 सिपाही मार डाले

हेमू कालाणी अक्सर क्रांतिकारी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे। एक बार उनके कुछ साथियों को हिरासत में ले लिया गया, उन्हें आजाद कराने के लिए हेमू ने भारी तादाद में लोगों को जमा किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसका असर ये हुआ कि एक जन सैलाब क्रांतिकारियों को छुड़ाने के लिए अंग्रेजों के सामने खड़ा हो चुका था। बेगुनाहों को आजाद किया जाए, अफसर माफी मांगें, जिन्होंने खून बहाया है, उनको निलंबित किया जाए, ब्रिटिश हुकूमत मुर्दाबाद, नहीं चलेगा नहीं चलेगा अंग्रेजों का अत्याचार नहीं चलेगा, इंकलाब जिंदाबाद, आजाद आजाद करो बेगुनाहों को आजाद करो जैसे नारों की आवाज़ की सदा बुलंद की जा रही थी। ब्रिटिश सेना के पसीने छूट गए। हालात को बेकाबू होता देख। अंग्रेजी अफसर ने गोलियां चलाने के आदेश दे दिए। कई बेगुनाह मारे गए। हेमू वहां से निकलने में कामयाब रहे। उनके अंदर अंग्रेजों के खिलाफ गुस्सा था, वो उनसे इसका बदला लेना चाहते थे। आगे हेमू ने जेल अपने साथियों को छुड़ाने के लिए जेल पर गोलाबारी की थी। इसके अलावा ब्रिटिश सेना के साथ हुई मुठभेड़ में उन्होंने अपने साथियों के संग 40 अंग्रेजी सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया था, इस तरह उन्होंने बेगुनाहों के खून का बदला ले लिया था।

हथियार से भरी ट्रेन पलटाने की बनाई योजना

आगे पूरे देश में भारत की आजादी के लिए आंदोलन तेज हो चुके थे। 8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की। अब हर देशवासी आजादी चाहता था। अंग्रेजों के खिलाफ इस आंदोलन ने व्यापक रुप ले लिया। इधर, अंग्रेजों ने कुछ बड़े क्रांतिकारियों जैसे महात्मा गांधी, नेहरु और खान अब्दुल खान गफ्फार को गिरफ्तार कर लिया। उधर, हेमू कालाणी ने स्वराज्य सेना के साथ सिंध की कमान संभाल ली। जगह अंग्रेजों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कई बार अंग्रेजी सेना के दांत खट्टे किए। ब्रिटिश सेना भी अब इनके साहस और निडरता से खौफ खाने लगी थी। छोटी सी उम्र हेमू ने लोगों के दिलों में आजादी की जो आग भड़काई थी उससे अंग्रेज हैरान थे। हेमू कालाणी के गोपनीय सूत्रों से उन्हें पता चला कि बलूचिस्तान में चल रहे उग्र आंदोलन को कुचलने के लिए 23 अक्टूबर को ब्रिटिश हुकूमत की हथियारों से भारी ट्रेन सिंध के रोहिणी स्टेशन से गुजरेगी। उन्होंने ट्रेन को पटरी से उतारने (ताकि गाड़ी पलट जाए) के लिए एक योजना बनाई, जिसमें उनके साथी नंद और किशन भी शामिल थे।

'मेरे रास्ते में मौत आई तो उसे भी मार दूंगा'

जोश, जज्बे और जुनून का नाम है कैप्टन मनोज कुमार पांडेय

सर्दियों में भारी बर्फबारी की वजह से भारत और पाकिस्तान की सेनाएं ऊंचे पेट्रोलिंग प्वाइंट से नीचे उतर आती थीं, लेकिन पाकिस्तान ने धोखा दिया और 1998-99 की सर्दियों में घुसपैठियों की शक्ल में पाकिस्तानी सैनिक भारतीय सीमा में घुस आए। सर्दियों में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने ऊंचे पहाड़ी इलाकों में अपने बंकर बना लिए, उन्होंने ऐसी जगहों को अपने कब्जे में ले लिया, जहां से वह भारतीय सैनिकों की आवाजाही को आसानी से देख सकते थे। भारतीय सेना को इसका पता चला तो ऑपरेशन विजय शुरु किया गया। कारिगल की पहाड़ियों को घुसपैठियों से खाली कराने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय में देश के वीर सपूतों ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। ऐसे ही एक वीर योद्धा थे कैप्टन मनोज कुमार पांडेय।

कौन थे कैप्टन मनोज कुमार पांडेय

कैप्टन मनोज कुमार पांडेय गोरखा राइफल्स की पहला बटालियन के वीर योद्धा थे। एक वीर योद्धा को उसकी बटालियन और उसके किए गए कामों के जरिए ही बेहतर पहचाना जाता है। पाकिस्तानी घुसपैठियों को उनके बिलों से बाहर निकालने और चुन-चुनकर मारने के अभियान में शामिल होने के लिए कैप्टन मनोज कुमार पांडेय भी 1999 के कारगिल युद्ध में शामिल हुए। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय का पराक्रम देखकर पाकिस्तानी घुसपैठियों को 11 जून 1999 को बटालिक सेक्टर छोड़कर भागना पड़ा। उन्हीं के नेतृत्व में 3 जुलाई 1999 की तड़के भारतीय सेना ने जौबर टॉप और खालूबार टॉप पर वापस कब्जा किया। खालूबार टॉप पर कब्जे की जंग में कैप्टन मनोज पांडेय बुरी तरह घायल हो गए और यहां पहाड़ी की चोटी पर ही उन्होंने आखिरी सांस ली, उन्हें भारत सरकार की तरफ से मरणोपरांत परवीर चक्र से सम्मानित किया गया। 'अगर कोई आदमी कहता है कि वह मरने से नहीं डरता है, तो वह झूठ बोल रहा है या फिर वह गोरखा है' फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ ने ये शब्द कहे थे, उनके इन शब्दों को शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय ने 1999 के कारगिल युद्ध में चरितार्थ किया। दुश्मन की गोलियों से उनका शरीर छलनी हो गया था, किंतु उन्होंने मौत से आंखें नहीं चुराईं, बल्कि दुश्मन की आंखों में आंखें डालकर उसे मौत के घाट उतार दिया। आखिरी सांस तक उनकी उंगलियां बंदूक की ट्रिगर से नहीं हटीं। अपनी टीम का सामने से नेतृत्व करते हुए उन्होंने अकेले ही दुश्मन के तीन बंकरों को ध्वस्त कर दिया।

...मैं मौत को भी मार दूंगा

जिस समय कैप्टन मनोज कुमार पांडेय 1999 का कारगिल युद्ध लड़ रहे थे, उस समय वह सिर्फ 24 साल के ही तो थे, लेकिन देशभक्ति का जज्बा ऐसा था कि दुश्मन की रूह भी उनके नाम से कांप जाती थी, तभी तो देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने से पहले उन्होंने कहा कि अगर मेरे खून को साबित करने से पहले मेरी मौत हो जाती है, तो मैं वादा करता हूं कि मैं मौत को भी मार दूंगा'। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय ने जो कहा कि वह करके भी दिखाया। खालूबार टॉप पर वापस कब्जा करने के लिए उन्होंने जिस जोश, जज्बे और जुनून के साथ दुश्मन पर हमला किया, उससे उन्होंने दुश्मन के हर हथियार को बोना साबित कर दिया।

सीतापुर के सपूत थे कैप्टन मनोज

कैप्टन मनोज पांडेय उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले में रुधा नाम के एक गांव के सपूत थे। 25 जून 1975 को यहां एक ब्राह्मण परिवार में जन्में मनोज पांडेय का शुरुआती बचपन गांव में गुजरा, लेकिन बाद में उनका परिवार लखनऊ आ गया। वह बचपन से ही बहुत तेज थे, उन्होंने सैनिक स्कूल से शिक्षा ली और आगे चलकर सेना में करियर बनाने में उन्हें आसानी हुई। उन्होंने सैनिक स्कूल से ही स्वयं को सेना के लिए तैयार करना शुरु कर दिया था।

परमवीर चक्र जीतने के लिए सेना में आए

12वीं के बाद जब वह एनडीए परीक्षा में पास हुए तो इंटरव्यू में उनसे खास प्रश्न पूछा गया। ये प्रश्न था – सेना में क्यों जाना चाहते हैं? मनोज पांडेय ने इस प्रश्न का उत्तर दिया – परमवीर चक्र जीतने के लिए। आखिरकार उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया और उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया। एनडीए में चुने जाने के बाद मनोज ने पुणे के पास खड़कवासला में मौजूद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से ट्रेनिंग ली।

कारगिल से पहले सियाचिन में थे कैप्टन

ट्रेनिंग के बाद मनोज कुमार पांडेय को 11 गोरखा रायफल्स रेजिमेंट में तैनाती मिली, उनकी रेजिमेंट उस समय जम्मू-कश्मीर में अपनी सेवाएं दे रही थी। उन्होंने शुरू से ही हमले की योजना बनाना, हमला करना और गोरिला युद्ध में दुश्मन को मात देने की लगाएं सीखना शुरू कर दिया। कारगिल भेजे जाने से पहले उन्होंने करीब डेढ़ साल तक सियाचिन में ड्यूटी दी थी और अब शांतिकाल में उनकी तैनानी पुणे होने जा रही थी, लेकिन कारगिल में घुसपैठ की खबरों के बीच उन्हें बटालिक सेक्टर जाने को कहा गया।

कैप्टन मनोज पांडेय ने मौके को भुनाया

कैप्टन मनोज पांडेय बटालिक जाने की खबर से निराश नहीं हुए, बल्कि वह ऐसे खुश थे, जैसे उन्हें इसी मौके का इंतजार था। उन्होंने बड़ी ही बहादुरी से अपनी टीम का नेतृत्व किया। पाकिस्तानी घुसपैठियों के साथ करीब दो महीने के संघर्ष में उन्होंने कुकरथांम, जूबरटॉप जैसे कई चोटियों से दुश्मन को मार भगाया। 3 जुलाई 1999 को वह खालुबार चोटी पर कब्जा करने के लिए आगे बढ़ रहे थे। उनके आगे बढ़ने पर दुश्मन को उनकी आहट हो गई और घुसपैठियों ने पहाड़ियों के पीछे छिपकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। दुश्मन की तरफ से फायरिंग होते देख कैप्टन मनोज पांडेय ने रात होने का इंतजार किया। अंधेरा होने पर उन्होंने अपने साथियों से बात करके दो अलग-अलग रास्तों से आगे बढ़ने की रणनीति बनाई, उनकी यह रणनीति काम कर गई और पाकिस्तानी घुसपैठिए उनके झांसे में आ गए। कैप्टन मनोज पाण्डेय को मौका मिला और उन्होंने दुश्मन के बंकरों पर हमला करके उन्हें उड़ाना शुरु कर दिया, इससे पहले कि दुश्मन कुछ समझ पाता, तीन बंकर नेस्तनाबूत हो चुके थे।

वीर की शहादत के बाद तिरंगा लहराया

अभी उनका काम पूरा नहीं हुआ था, जैसे ही उन्होंने चौथे बंकर को ध्वस्थ करने के लिए कदम आगे बढ़ाए... पाकिस्तानी घुसपैठियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। कैप्टन मनोज पांडेय लहुलुहान हो गए, उनके साथियों ने उन्हें कवर दिया और आगे न बढ़ने को बी कहा, लेकिन वह कहां मानने वाले थे, वह चाहते थे कि वह स्वयं खालुबार टॉप पर तिरंगा लहराएं। कैप्टन मनोज पांडेय के शहीद होने के बाद उनके साथियों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को दौड़ा-दौड़ाकर मारा। इस तरह खालूबार टॉप पर एक बार फिर तिरंगा लहराया, लेकिन देश ने एक जांबाज सिपाही को खो दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक जितेंद्र खंडेलवाल द्वारा दैनिक राजीव टाइम्स के लिए राजीव प्रिंटर्स, 7 गोराकुंड इंदौर से मुद्रित, प्रकाशित। मुख्य कार्यालय 26 प्रेस कॉम्प्लेक्स एवं सिटी ऑफिस 23, सेक्टर बी, सांवेर रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर से संचालित। प्रबंध संपादक : अपूर्वा मेनन। । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। रजि. नंबर आरएनआई/38105/81 पोस्टल रजि. आई./डी./सी./एम.पी./202 मोबाइल 7999999127।

एक करोड़ रुपए की एलईडी से श्रद्धालु कर सकेंगे बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन ■ एजेंसी

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दानदाता एसबीआई बैंक के माध्यम से दो स्थानों पर करीब एक करोड़ रुपए कीमत की 12 बाय 25 फीट साइज की उच्च क्वालिटी की एलईडी लगाई है। अब मंदिर के बाहर से ही श्रद्धालु भगवान महाकाल के सहज दर्शन लाभ ले रहे हैं। श्री महाकालेश्वर मंदिर में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंदिर में प्रशासन द्वारा बैरिकेट्स के माध्यम से भगवान के दर्शन की व्यवस्था है। वहीं, मंदिर समिति ने बड़े दानदाताओं से भगवान महाकाल के स्पष्ट, सहज सुलभ दर्शन के लिए दो बड़ी एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की है। मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि पिछले दिनों एसबीआई बैंक के अधिकारियों से मंदिर के लिए दो हाई क्वालिटी की बड़ी एलईडी स्क्रीन दान करने का निवेदन किया था।

इसके बाद बैंक द्वारा अपने सीएसआर फंड के माध्यम से 12 फीट चौड़ी और 25 फीट लंबाई वाली दो हाई क्वालिटी की एलईडी मंदिर समिति को दान की है। एक एलईडी की कीमत 48 लाख से अधिक है। दोनों की कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई गई है। मंदिर प्रशासन ने एक एलईडी मंदिर के एक नंबर गेट पर लगाई है, वहीं दूसरी एलईडी महाकाल लोक के त्रिनेत्र क्षेत्र में लगाई है। अब दोनों स्क्रीन के माध्यम से

हजारों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन लाभ ले रहे हैं। खास बात यह है कि एलईडी की क्वालिटी हाई होने से बड़ी दूर से गर्भगृह में विराजित भगवान के दर्शन स्पष्ट हो रहे हैं। वैसे मंदिर परिसर में और बाहर की ओर पहले से भी एलईडी स्क्रीन लगी है, लेकिन स्क्रीन छोटी होने से दूर से दर्शन नही हो पाते है। इसके पहले भी एसबीआई द्वारा अपने सीएसआर फंड से मंदिर में ई-कार्ट सहित अन्य सामग्री दान की गई है।

भीड़ में सबसे ज्यादा उपयोगी

महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु वैसे तो मंदिर में दर्शन करते हैं, लेकिन दर्शन की इच्छा पूरी नही हो पाती है, तो बाहर लगी बड़ी एलईडी से दर्शन करते हैं। खासकर भगवान महाकाल की विभिन्न आरतियों के समय इन्हीं एलईडी स्क्रीन के सामने हजारों श्रद्धालु खड़े होकर दर्शन लाभ लेते हैं। संध्या आरती, शयन आरती के साथ ही सुबह होने वाली भस्म आरती के दौरान भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्क्रीन के सामने बैठकर पूरी आरती के दौरान मौजूद रहते हैं। ऐसे में फायदा यह हो रहा है कि अधिकांश बाहर के श्रद्धालु जिन्हें प्रतिदिन सुबह होने वाली भस्म आरती में अनुमति नहीं होने से प्रवेश नहीं मिलता है। वे श्रद्धालु इन स्क्रीन पर भस्म आरती के दर्शन का लाभ ले रहे हैं। बता दें कि मंदिर प्रशासन भस्म आरती के लिए सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को अनुमति प्रदान करता है। मंदिर में अनुमति से जाने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं को भी गर्भगृह के सामने बैठक व्यवस्था कम होने से मंदिर के नंदीहाल, गणेश मंडपम में लगी एलईडी के माध्यम से ही दर्शन हो पाते हैं।

पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला समेत अन्य नेता भाजपा में शामिल, सीएम यादव बोले-

सब मिलकर बनाएंगे एक नया इतिहास

भोपाल ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने शिवपुरी के पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला को भोपाल में भाजपा ज्वाइन कराई। इस दौरान कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी भाजपा ज्वाइन की। सीएम डॉ. मोहन यादव ने हरिवल्लभ शुक्ला सहित अन्य दूसरे नेताओं को भाजपा में ज्वाइन कराने के बाद कहा कि आपके इस चुनाव अभियान के दौरान जिनकी जैसी जुबान, वह वैसी बात करेंगे। उनकी जुबान पर हमको नहीं जाना है। हमारे परिवार में हम खुले मन से आपको जोड़ा गया है। मैंने पहले भी कहा कि जैसे दूध में शक्कर मिलती है। उस नाते से आपका स्वागत किया है। हम एक जान होकर काम करेंगे। कोई भी मन में किसी प्रकार की बात आती हैं, आप सुझाव भी दे सकते हैं। सीएम यादव ने कहा कि आपको समय - समय पर अपने जिले में, विधानसभा में, लोकसभा में मौका है। अभी तो लोकसभा का मौका चल रहा है। सब मिलकर अपनी बड़ी भूमिका निभाएं और एक नया इतिहास बन रहा है। पहले चरण के जो रिजल्ट आ रहे हैं, बूथ पर जो काम करता है कार्यकर्ता हमारा और हम सब जानते हैं कि जैसे वोट पड़ते हैं, वैसे - वैसे भाव बता देते हैं मतदाताओं के, वह किधर जा रहे है। यादव ने कहा कि रुझान चारों तरफ से अनुकूल आ रहे हैं। हर हालत में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनने जा रही है। फिर एक बार मोदी सरकार बनने जा रही है। प्रदेश की छिंदवाड़ा समेत 29 की 29 सीट हम जीतने की तरफ बढ़ रहे हैं। हमने सबने देखा है कि पहली बार बडे महाराज जो घर से निकलते नहीं थे, वो अपने मतदाताओं के बीच हाथ जोड़कर वोट मांगने निकले हैं। दुनिया के लिए छिंदवाड़ा मॉडल बताते थे। मॉडल उनक कितना खोखला है, सबने देखा है।

हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या...

कांग्रेस अब हैरिटेज इमारत की तरह-नरोत्तम

बीजेपी न्यू जाइनिंग कमेटी के प्रदेश संयोजक व पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस अब हैरीटेज की तरह हो गई है। इमारत की तरह हैरीटेज। कुछ बुजुर्ग और जर्जर नेताओं के सहारे पर इमारत खड़ी है। इसमें रहना कोई नहीं चाहता। इन बिल्डिंग की स्थिति है कि वह अब किसी को पनाह भी नहीं दे सकते। आज वहां पर भगदड़ के हालात हैं। 4 लाख से अधिक लोग अभी तक मप्र में बूथ स्तर तक कांग्रेस को छोड़ चुके हैं। अब जनता का विश्वास, यहां तक कि कांग्रेस के नेताओं का विश्वास अब कांग्रेस पर नहीं रहा है। मिश्रा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत है। पीएम मोदी की एक कल्पना स्वर्णिम भारत, एक वैश्विक भारत की है। सभी उस विकास की धारा में साथ रहना चाहते हैं। उसी के तहत आज यह ज्वाइनिंग हुई है। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके की कांग्रेस में वापसी पर भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा - स्वाभाविक रुप से उन्होंने ऐसा बयान दिया है, वह मैंने भी सुना है। दबाब तो कभी किसी का किसी पर नहीं रहता है।

वायरल ऑडियो पर नरोत्तम बोले - यह घृणित राजनीति ...

छिंदवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार विवेक साहू उर्फ बंटी के वायरल ऑडियो पर भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि यह घृणित राजनीति है कांग्रेस की। कांग्रेस सदैव चरित्र हत्या की राजनीति करती रही है। होना यह चाहिए कि लोकतंत्र का यह पर्व है। इसमें अपने - अपने पक्ष को मजबूती से जनता के सामने रखे। जनता जिसे पसंद करे, उसे वोट दे लेकिन नकुलनाथ ने जो किया, वह निंदनीय है।

शिवपरी के पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला को भाजपा में ज्वाइन कराने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि हमारे इस दल के अंदर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा तथा मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता तक हैं। यह सब अपने आप में ... हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या ? अपनी आंखों से प्रमाण दिखाई दे रहे हैं कि राजनीति में संविधान लागू करने के समय सबके लिए अवसर की बात लोकतंत्र में कही गई थी। दुर्भाग्य की बात कहें कि संविधान की बातों के आधार पर लोग बात करने के लिए कहते हैं कि हम संविधान बचाने की लड़ाई लड़ते हैं, लेकिन संविधान को एक तरफ रखकर एक परिवार को लागू करने की जो पद्धति लगाई है। यह वास्तव में पीएम मोदी और भाजपा नहीं हो, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि कौन से दौर में भारत पहुंच गया है। कौन सी पार्टी छोड़ रहे हैं वह जिसमें अपने परिवार, भतीजे, भतीजी, बेटे ... अपने परिवार के अलावा कोई दिख नहीं रहा है।

इन्होंने भी ज्वाइन की बीजेपी : बीजेपी ज्वाइन करने वालों में मप्र कांग्रेस सिंधी कल्याण समिति के पूर्व प्रदेश महामंत्री महेश गुरबाणी, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव कमल सिंह रघुवंशी, कांग्रेस कमेटी शिवपुरी के जिला महामंत्री आलोक शुक्ला, कांग्रेस के सोशल मीडिया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबी गौरव शर्मा , पूर्व महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी अमित दांतरे प्रमुख हैं। पूर्व विधायक शुक्ला की भाजपा में ज्वाइन के दौरान 100 से ज्यादा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा ज्वाइन की।

बिना लाइसेंस कैंटीन या मेस चलाने पर फूड विभाग करेगा कार्रवाई

भोपाल ■ एजेंसी

राजधानी भोपाल के सभी हॉस्पिटल या क्लिनिक पर अब एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) से रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस लेना जरूरी होगा। बिना इसके वे न तो कैंटीन चला सकेंगे और न ही मेस। इसमें फूड विभाग कार्रवाई करेगा। इसे लेकर शनिवार को आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस लेने के लिए आदेश जारी किया है।

उन्होंने बताया, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 31 के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से यह लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन लेना जरूरी है। जिले में संचालित ऐसे सभी सरकारी हॉस्पिटल, प्राइवेट नर्सिंग होम जहां मरीजों या परिजनों को खाद्य सामग्री परोसी जाती है, उन्हें रजिट्रेशन कराने के साथ लाइसेंस लेना जरूरी है। लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन न पाए जाने पर अधिनियम में दंड के प्रावधान भी किए गए हैं। कुछ दिन पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन के कमिश्नर ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी किए गए थे। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 अंतर्गत खाद्य पदार्थों के निर्माण, विनिर्माण भंडारण, प्रसंस्करण, विक्रय, परिवहन आदि के लिए खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन लिया जाना अनिवार्य किया गया है।

भोपाल में इनका रजिस्ट्रेशन हुआ भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जेपी हॉस्पिटल, बंसल हॉस्पिटल, चिरायु मेडिकल कॉलेज, अपोलो सेज हॉस्पिटल, पीपुल्स हॉस्पिटल, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने पहले ही रजिस्ट्रेशन करा लिया है। अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं को भी रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा। हॉस्पिटल में कैंटीन या मेस संचालित होने के अलावा यदि सील बंद, डब्बा बंद खाद्य सामग्री दी जाती है, तब भी पंजीयन व लाइसेंस लेना जरूरी है। एक साल में 12 लाख से कम की खाद्य सामग्री का विक्रय होने पर पंजीयन एवं 12 लाख से अधिक की खाद्य सामग्री का विक्रय होने पर लाइसेंस जारी किया जाता है।

इतनी राशि देना पड़ेगी रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए एवं लाइसेंस के लिए 2000 रुपए की फीस निर्धारित है। पंजीयन एवं लाइसेंस केवल ऑनलाइन ही जारी किए जाते हैं। इसके लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट https://foscos.fssai.gov.in पर आवेदन कर रजिट्रेशन एवं लाइसेंस लिया जा सकता है।

भोपाल में महिला से डायमंड नेकलेस की लूट

भोपाल ■ एजेंसी

भोपाल में एक बुजुर्ग महिला से चाकू की नोंक पर डायमंड नेकलेस, डायमंड रिंग और सोने के जेवरात की लूट हो गई। घटनाक्रम के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें लुटेरे वारदात से पहले दाखिल होते और बाद में लौटते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक लुटेरे तार फेंसिंग काटकर कॉलोनी में दाखिल हुए।

पहले उन्होंने मकानों की रैकी। फिर महिला के घर में घुसकर लूट की। वारदात को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए जहां से दाखिल हुए थे। घटना महिला के घर के पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसमें चार लुटेरे मंकी कैप पहने नजर आ रहे हैं। बुजुर्ग महिला की शिकायत के मुताबिक- लुटेरों के हाथों में धारदार हथियार और रॉड थी। रॉड को फंसाकर उन्होंने मेन गेट का लॉक तोड़ा, फिर घर में दाखिल हुए। वे सीधे मेरे बेडरुम में आ धमके । मुझसे कहा- शोर मत करना, जो कुछ सामान है, चुपचाप दे दो। नहीं तो जान से मार देंगे। खामोश रहोगी तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। वे घर से डायमंड और सोने के जेवरात ले गए।

इनमें छोटे बेटे की शादी में गिफ्ट के तौर पर सोने की झुमकी भी शामिल थी। लुटेरों ने जेवरात एकत्रित किए और घर पर ही रखे एक फ्लो कवर में बांधकर भाग निकले। यहीं नहीं बदमाशों ने मोबाइल फोन जमीन पर जोर से फेंककर तोड़ दिया है। बाद में उसे साथ ले गए, जो घर के करीब ही स्थित झाड़ियों से बरामद किया गया है

कांग्रेस प्रत्याशी के भाई पर जानलेवा हमला, हिस्ट्रीशीटर ने की फायरिंग

मुरैना ■ एजेंसी

मुरैना कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी के भाई पर जानलेवा हमला हुआ है। नरेंद्र सिंह सिकरवार प्रत्याशी के चचेरे भाई हैं, वह अंबाह जनपद के अंतर्गत आने वाले गांव रूअर में चुनाव प्रचार कर रहे थे, साथ में गांव के सरपंच गुड्डू तोमर भी थे। उसी दौरान वहां हिस्ट्रीशीटर सोनू तोमर पुत्र बसंत सिंह तोमर ने प्रचार के दौरान फायरिंग की है और जानलेवा हमला किया है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार ने बताया कि भाई नरेंद्र सिंह सिकरवार पर गांव रूअर में चुनाव प्रचार के दौरान जानलेवा हमला किया गया है और फायरिंग भी की गई है। उस समय गांव के

सरपंच भी साथ थे, हिस्ट्रीशीटर सोनू तोमर पुत्र बसंत सिंह तोमर ने जानलेवा हमला किया है। उन्होंने कहा कि यही अपील करना चाहता हूं कि यह चुनाव दो लोगों के बीच में हैं, यह चुनाव शांतिपूर्ण हो हिंसक नहीं हो। वहीं, उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हार की बौखलाहट भाजपा को साफ दिखाई दे रही है। मेरे परिवार के लोग प्रचार कर र,हे हैं घर घर जाकर वोट मांग रहे हैं। इस दौरान उन पर हमला हुआ तो मुझे लगता है यह लोकतंत्र पर हमला है और यह किसी के लिए ठीक नहीं हैं। उन्होंने सभी से अपील की है कि सभी शांति व्यवस्था को बनाए रखे और शांति से चुनाव सम्पन्न हो। वहीं एडिशनलएसपी अरविंद सिंह ठाकुर ने बताया कि यह अंबाह थाना क्षेत्र के रूअर गांव की घटना है। इसमें मूल रूप से दो पक्ष है, एक सोनू तोमर और एक गुड्डू तोमर है। सोनू तोमर के द्वारा फायरिंग की गई है। सोनू तोमर और गुड्डू तोमर में पंचायत चुनाव 2015 से लेकर विवाद चल रहा है। इसके बाद 2021 में भी विवाद हुआ था।

कुंडलपुर के बड़े बाबा को चढ़ाया जाएगा 250 किलो चांदी का छत्र

दमोह ■ एजेंसी

दमोह जिले के प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर में 21 अप्रैल रविवार को महावीर जयंती के मौके पर बड़े बाबा के सिर पर 250 किलो चांदी का छत्र चढ़ाया जाएगा। यह छत्र दिल्ली के एक परिवार ने गुप्त दान किया है।

परिवार ने यह छत्र कुंडलपुर ट्रस्ट के सुपूर्द कर दिया है। छत्र पर आकर्षक लाइट्सके अलावा चांदी पर सोने की परत भी दिखाई दे रही है। कुंडलपुर के बड़े बाबा मंदिर में विराजमान भगवान आदिनाथ की 15 फीट ऊंची प्रतिमा है जो 1500 वर्ष पुरानी बताई जाती है। यह प्रतिमा मंदिर में पद्मासन में विराजित है। इन्हें

जैन अनुयायी बड़े बाबा के नाम से पुकारते हैं। ब्रह्मचारी सुनील भैया ने बताया कि छत्र दिल्ली से कुंडलपुर पहुंचने के बाद ट्रस्ट के हैंडओवर किया गया है। चांदी का छत्र चढ़ाने वाला श्रद्धालु परिवार दिल्ली का रहने वाला है। परिवार के सदस्यों की ऐसी भावना थी। उन्होंने गुप्तदान के तहत छत्र चढ़ाया है। संभवतः उन्होंने बड़े बाबा के दरबार में कोई मनोकामना मांगी थी जो पूर्ण हो गई होगी। इसी वजह से उन्होंने यह भेंट की है। मंदिर में बड़े बाबा के शिखर पर सोने का कलश भी चढ़ाया जाना है। इसका काम चल रहा है। शिखर पर तांबे का कलश पहुंचा दिया गया है अब उसके ऊपर सोने की परत चढ़ाने का काम चल रहा है जो जल्द ही पूरा हो जाएगा।

आरजीपीवी के पूर्व वित्त नियंत्रक की पत्नी गई जेल

भोपाल ■ एजेंसी

भोपाल की राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को एसआईटी ने शुक्रवार को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया था। शनिवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। यूनिवर्सिटी में हुए 19.48 करोड़ रुपए के घोटाले की जांच में उनका भी नाम सामने आया था। उनके नाम एक्सिस बैंक में 20 लाख रुपए की एफडी बनाई गई थी। एक्सिस बैंक में एफडी की कैश कराने के बाद वहां से डीडी बनाकर आरबीएल बैंक में जमा किया गया और 13 मार्च को सीमा के नाम से 20 लाख रुपए की एफडी पैसों के लेनदेन को लेकर बनी थी। घोटाले में अभी वर्मा के अलावा तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत फरार हैं। आरजीपीवी में 19.48 करोड़ रुपए की आर्थिक अनियमितताओं के मामले में गांधी नगर पुलिस ने 3 मार्च को एफआईआर दर्ज की थी।

इन आरोपियों को पहले भेजा जा चुका है जेल

इस मामले में एसआईटी ने तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार, एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर रामकुमार रघुवंशी, दलित संघ सोहागपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुनील रघुवंशी और कुमार मयंक को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घोटाले की जो राशि कुमार मयंक के खाते में ट्रांसफर की गई थी उसमें से ही सीमा के नाम 19 लाख रुपए की एफडी बनाई गई थी। एसआईटी ने शुक्रवार को सीमा को चिनार उपवन दानिश नगर से गिरफ्तार किया था।

प्रक्रिया पर नाराजगी शहर काजी ने भौतिक खुदाई पर उठाए सवाल

कोई ऐसा अधिकारी है, जो सुप्रीम कोर्ट की गाइड पालन कराए

धार ■ एजेंसी

कमाल मौला मस्जिद विरुद्ध भोजशाला मामला हाईकोर्ट के आदेश के तहत पुरातत्व सर्वे की बारीकियों में उलझा हुआ है। आरोप है कि पुरातत्व विभाग ने भौतिक खुदाई के मस्जिद में गड्ढे कर दिए हैं, जिससे यहां हर जुमा को होने वाली नमाज बाधित होने लगी है। धार शहर काजी ने इन प्रक्रियाओं पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों की अवहेलना करार दिया है। उन्होंने अफसरशाही को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। शहर काजी ने सवाल उठाया हुए कहा कि क्या ऐसा कोई अधिकारी नहीं है, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अक्षरशः पालन करवा सके। बरसों से जारी व्यवस्था के मुताबिक बीते शुक्रवार को मुस्लिम धर्मावलंबी जुमा की नमाज पढ़ने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पुरातत्व विभाग द्वारा की जा रही प्रक्रिया को नियम विरुद्ध और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के इतर पाया। इसे लेकर शहर काजी वकार सादिक ने मीडिया से कहा कि आर्कोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने मस्जिद के अंदर बाएं तरफ खुदाई कर बड़े बड़े गड्ढे कर दिए हैं, जो माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना है। शहर काजी ने बताया कि जिस तरह से वहां खुदाई हुई उससे इस जगह पर नमाजी नमाज पढ़ने से वंचित रह रहे हैं। ये हमारे मूल अधिकारों और मानव अधिकारों का हनन है। शहर काजी ने पूछा कि क्या ऐसा कोई अधिकारी नहीं हैं, जो माननीय

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अक्षरशः पालन करा सके? क्या इनके ऊपर कोई अधिकारी नहीं है, यहां कब तक इनकी मनमानी चलेगी? शहर काजी ने ये भी बताया कि माननीय उच्च न्यायालय ने भी अपने आदेश में कहा हैं कि इस प्रकार सर्वे करें कि उस इमारत को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो, लेकिन इन लोगों ने मस्जिद की इमारत का मूल स्वरूप परिवर्तित कर दिया है। ये घोर आपत्तिजनक है और माननीय उच्च न्यायालय और माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना है।

दावा : सदियों से हो रही नमाज : शहर काजी ने बताया की 1307 ईस्वी में मस्जिद बनी थी, तबसे ही इस मस्जिद में निरंतर नमाज जारी है। हर चीज का हमारे पास रिकॉर्ड मौजूद है। इसके अलावा गवर्नमेंट अप्रोर्ड रिकॉर्ड भी हमारे पास मौजूद है, जो इसे मस्जिद सिद्ध करता है। शहर काजी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग करते हुए कहा है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान ले और खुदाई से मस्जिद का मूल स्वरूप परिवर्तित किया गया है, उसे पुनः अपने मूल स्वरूप में लाया जाए।

अब राजधानी में गूंजेगी पुकार

ऑल इंडिया काजी काउंसिल के काजी नूर उल्लाह यूसुफजाई और काजी सैयद अनस अली नदवी ने कहा हम अदालतों का हमेशा सम्मान करते आए हैं। इसके कई उदाहरण सामने हैं। लेकिन, यह स्थिति और नियम सभी धर्मों, वर्ग, व्यक्ति पर लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा चुनावी हालात खत्म होने के बाद राजधानी भोपाल में भोजशाला मामले को लेकर बड़ा सम्मेलन किया जाएगा। इसमें प्रदेश और देश भर के उलेमा शामिल होंगे। भोजशाला मामले में जारी कार्रवाई, गति अवरोध, विभागों की मनमानी और भविष्य में उससे बनने वाले हालात से प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव को अवगत कराया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की 89 सीटों के लिए 26 को डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा चुनाव का पहला चरण संपन्न होने के बाद चुनाव आयोग ने दूसरे चरण की तैयारी शुरू कर दी है। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। दूसरे चरण में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश सहित कुल 89 सीटों पर वोटिंग होगी। इस चरण में कुल 1210 उम्मीदवार चुनावी मैदान में होंगे। दूसरे चरण के लिए 89 सीटों के लिए कुल 2633 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं। जांच के बाद कुल 1428 नामांकन सही पाए गए। इसके बाद कुछ उम्मीदवारों ने अपना वापस ले लिया। दूसरे चरण के लिए 4 अप्रैल तक नामांकन दाखिल करने का मौका था। ऐसे में अब कुल 1210 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल 1210 उम्मीदवार चुनावी मैदान में होंगे

- **केरल :** दूसरे चरण में केरल की सभी 20 सीटों पर चुनाव होने जा रहा है। इनमें कासरगोड, कन्नूर, वडकारा, वायनाड, कोझिकोड, मलप्पुरम, पोन्नानी, पलक्कड़, अलाथुर, त्रिशूर, चलाकुडी, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोट्टायम, अलाप्पुझा, मावेलिककारा, पथनमथिट्टा, कोल्लम, अटिंगल और तिरुवनंतपुरम सीट शामिल हैं।
- **कर्नाटक :** दूसरे चरण में कर्नाटक की 14 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें हासन, उडुपी-चिकमगलूर, चित्रदुर्ग, तुमकुर, दक्षिण कन्नड़, मांड्या, बेंगलुरु ग्रामीण, चामराजनगर, मैसूर, बेंगलुरु सेंट्रल, बेंगलुरु उत्तर, बेंगलुरु दक्षिण, कोलार और चिकबलपुर सीट शामिल हैं।
- **राजस्थान :** दूसरे चरण में राजस्थान की 13 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें टोंक-सवाई माधोपुर, पाली, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बांसवाड़ा, जालौर, बाड़मेर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, झालावाड़-बारां, कोटा सीट शामिल हैं।
- **महाराष्ट्र :** दूसरे चरण में महाराष्ट्र की 8 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें बुलढाणा, अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल वाशिम, हिंगोली, नांदेड़, परभणी सीट शामिल हैं।
- **उत्तर प्रदेश :** दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 8 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़ और मथुरा सीट शामिल हैं।
- **मध्य प्रदेश :** दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की कुल 7 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद सीट शामिल है। बैतूल सीट पर भी इस चरण में मतदान होना था, लेकिन बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद वोटिंग की तारीख आगे बढ़ा दी गई है।
- **बिहार :** दूसरे चरण में बिहार की 5 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया और भागलपुर सीट शामिल हैं।
- **असम :** दूसरे चरण में असम की 5 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें करीमगंज, सिलचर, मंगलदोई, नागांव और कलियाबोर सीट शामिल हैं।
- **पश्चिम बंगाल :** दूसरे चरण में पश्चिम बंगाल की 3 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें दार्जिलिंग, बालुरघाट और रायगंज सीट शामिल हैं।
- **छत्तीसगढ़ :** दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ की कुल 3 सीटों पर चुनाव होगा। इनमें राजनांदगांव, महासमंद और कांकेर सीट शामिल है।
- **मणिपुर, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर :** दूसरे चरण में मणिपुर, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर की 1-1 सीट पर चुनाव होगा। मणिपुर की बाहरी मणिपुर सीट, त्रिपुरा की त्रिपुरा पूर्व और जम्मू-कश्मीर की जम्मू सीट

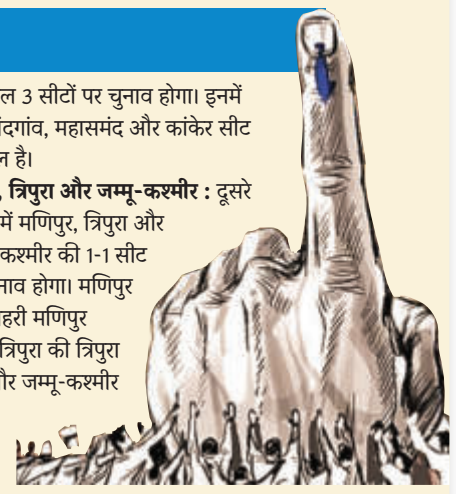

अमित शाह बोले -कांग्रेस कोटा को बना देती

पीएफआई का गढ़

भीलवाड़ा/कोटा ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- अगर आपने 2019 में कांग्रेस को वोट दिए होते तो कोटा पीएफआई का गढ़ बन जाता। मोदी जी को वोट दिया तो पीएफआई का सफाया कर दिया। कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी है। गहलोत सरकार ने 5 साल तक ईआरसीपी को आगे नहीं बढ़ने दिया। भजनलाल सरकार ने 3 महीने में ही ईआरसीपी का काम आगे बढ़ा दिया। हर गांव-ढाणी में ईआरसीपी का पानी पहुंचाने की मोदी की गारंटी है।

शाह शनिवार को कोटा में भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले शाह भीलवाड़ा पहुंचे थे। यहां भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में विजय संकल्प महासभा को संबोधित किया था। इस सभा के माध्यम से शाह ने भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर, मांडलगढ़, आसींद, मांडल, शाहपुरा, सहाड़ा, भीलवाड़ा और बूंदी जिले की हिंडोली विधानसभा को साधा। यह सभा जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के शक्करगढ़ में हुई। शाह ने कहा कि हमने बहुमत का उपयोग गरीबी को हटाने में किया, देश को सुरक्षित बनाने में किया, अर्थतंत्र को 11वें से 5वें नंबर पर लाने में किया। जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जिंदा है, हम आरक्षण को हटाने नहीं देंगे। ये कांग्रेस पार्टी वाले झूठ फैला रहे हैं। देश के अर्थतंत्र को दुनिया में तीसरे नंबर पर लाने का काम नरेंद्र मोदी करेंगे। जब 200 रुपए की मटकी भी लेने जाए तो टकोरा लगाकर देखते हैं तो फिर देश का खजाना किसे सौंपना है, इसका पूरा ध्यान रखकर वोट करना। बिरला को जीता कर लोकसभा भेजिए, हम कोटा-बूंदी को देश का नंबर 1 लोकसभा क्षेत्र बनाएंगे।

शाह ने बोले- गहलोत राजस्थान छोड़कर बेटे को जिताने में लगे हैं

शाह ने कहा कि गहलोतजी पूरा राजस्थान छोड़कर अपने बेटे को जिताने में लगे हुए हैं। हम 400 पार की बात करते हैं तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है। ये झूठ के सरदार है। उन्होंने कहा कि कोटा की साड़ी और कोटा स्टोन को दुनियाभर में जीओ टैग दिलाने का काम भी भाजपा ने किया है। राहुल बाबा कहते थे धारा-370 मत हटाओ, खून की नदियां बह जाएगी। ये मोदी की सरकार है, खून की नदियां तो छोड़ो, कंकड़ चलाने की मजाल नहीं है किसी की। उन्होंने कहा कि कोटा-बूंदी वालों बिरला जी को दिया गया एक-एक वोट, सीधा मोदी जी के अकाउंट में जमा होने वाला है। पहले चरण में सभी सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। 25 सीटों पर हैट्रिक लगाने का काम कोटा-बूंदी वालों को करना है।

शाह बोले- राहुल बाबा 20 बार लॉन्च, हर बार फेल हुए : कोटा के सीएडी ग्राउंड पर जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा- कोटा वालों आपने सांसद ऐसा चुना था, जिन्होंने स्पेशल ट्रेनें चलवाकर कोरोनाकाल के दौरान बच्चों को घर पहुंचवाया। पूरे देश के सामने 2 विकल्प हैं। एक नरेंद्र मोदीजी हैं, दूसरी ओर राहुल बाबा हैं। राहुल बाबा 20 बार लॉन्च किए गए, लेकिन हर बार फेल रहे।

मोदी का विरोध मतलब श्रीराम का विरोध

रायपुर। लोकसभा के चुनाव में बयानबाजियों का दौर लगातार जारी है। इस चुनावी गहमागहमी के बीच छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम का बयान चर्चा में बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा और पीएम मोदी का विरोध करने के बयान के बाद भाजपा के नेता छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राम विचार नेताम ने भाजपा का विरोध करने वालों को राक्षस बताते हुए कहा है कि मोदी जी का विरोध करना मतलब श्रीराम का विरोध करना है। नेताम ने कहा कि इस लोकसभा के चुनाव में हम 400 पर होकर रहेंगे। छत्तीसगढ़ में सरगुजा लोकसभा सीट से प्रत्याशी चिंतामणि महाराज की नामांकन रैली के दौरान छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेता ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सूर्पनखा, अहिरावण, दुशासन और कंस छत्तीसगढ़ के चुनाव के दौरान पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही नेताम ने भाजपा को रामा दल यानी राम का दल बताते हुए कहा कि हमारा रामा दल तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह विजयी रथ है, जो अब रुकने वाला नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने इसे शर्मसार बताया है।

70 करोड़ जनता की संपत्ति केवल 22 लोगों के पास : राहुल गांधी

भागलपुर ■ एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में चुनावी अभियान की शुरुआत भागलपुर से की। शहर के सैंडिस कंपाउंड में महागठबंधन के प्रत्याशी और कांग्रेस लीडर अजीत शर्मा के पक्ष में वोट करने के लिए जनसभा में लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने बीजेपी और एनडीए के नेताओं के साथ केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल की सभा में आरजेडी के तेजस्वी यादव और महागठबंधन में हाल ही में शामिल हुए वीआईपी के मुकेश सहनी समेत कांग्रेस के कई नेता मंच पर मौजूद थे।

सैंडिस कंपाउंड में जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आज हिंदुस्तान में 22 ऐसे लोग हैं जिनके पास 70 करोड़ हिंदुस्तानियों के बराबर संपत्ति है। नरेंद्र मोदी ने दस सालों में ऐसा हाल बना दिया है कि हिंदुस्तान में 70 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनकी दैनिक आमदनी 100 रुपए से कम है। एक तरफ अंबानी अडानी है जिन्हें देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिया गया है तो दूसरी ओर गरीब, किसान, मजदूर हैं और छोटे व्यापारी हैं जो 10 सालों से नरेंद्र मोदी की सरकार में पीस रहे हैं। सरकार की जीएसटी, नोटबंदी जैसी गलत नीतिओं के कारण छोटे व्यापारी और कारोबारी समाप्त हो रहे हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है।

राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर विकास कार्यों में विफल रहने के कारण देश की जनता का ध्यान भटकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह कभी आपका ध्यान इधर ले जाएंगे तो कभी उधर भटका देंगे और जब आप इधर-उधर देखने में व्यस्त हो जाएंगे तो प्रधानमंत्री आपका हिस्सा 10-15 गिने चुने लोगों के बीच बांट देंगे। राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर देश की संपत्तियां निजी हाथों को थमाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत के हवाई अड्डे, बिजली घर, खान, सोलर पावर और विंड पावर के यूनिट, डिफेंस सेक्टर जैसे महत्वपूर्ण चीजें अडानी के हाथों में पकड़ा दिया गया है।

राहुल गांधी ने कहा इस बार का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। एक और जहां राजद, कांग्रेस, लेफ्ट पार्टी और उनके सहयोगी हैं तो दूसरी ओर बीजेपी और आरएसएस जैसी ताकतें हैं। यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है क्योंकि आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वे लोकतंत्र पर खतरा उत्पन्न कर रहे हैं तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए चुनाव लड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि आज तक गरीब लोगों को जो मिला है वह संविधान के कारण ही नसीब हुआ है। अगर संविधान खत्म हो जाएगा तो जो भी प्रगति हुई है वह सब रुक जाएगी। गरीबों के लिए जो भी हो रहा है वह उसे खत्म कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी के 400 पार का दवा फेल हो जाएगा। इन्हें लोकसभा चुनाव 2024 में 150 सीटों से संतोष करना पड़ेगा। उससे ज्यादा एक भी सीट नहीं मिलेगी।

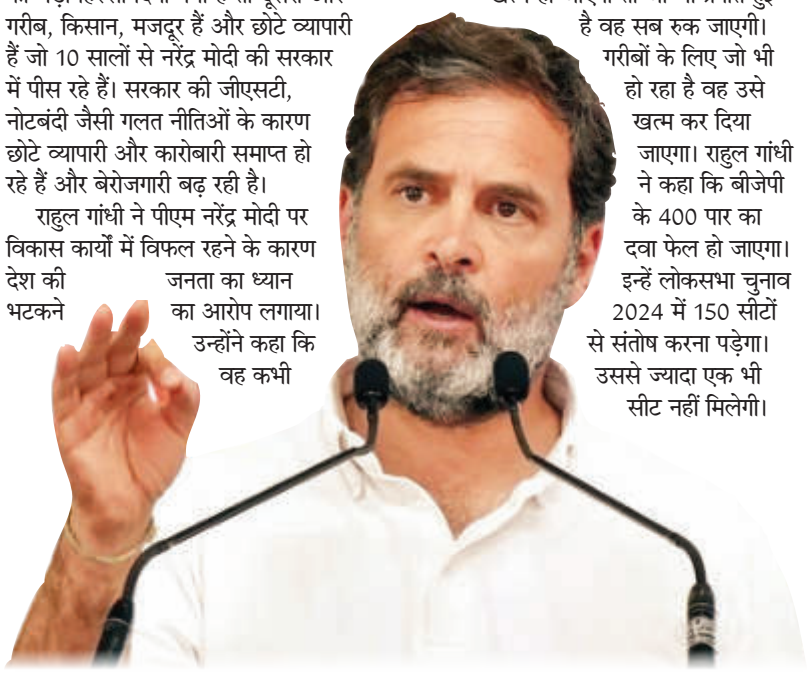

महाराष्ट्र में जीतेगा महाविकास अघाड़ी दल : पवार

मुंबई ■ एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी राज्य की 50 प्रतिशत से अधिक लोकसभा सीटें जीतेगी। महाराष्ट्र के अहमदनगर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि कुछ सीटों को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खींचतान जरूर है, लेकिन इस पर ध्यान देने का मतलब नहीं है।

व्यापक रूप से गठबंधन के सभी नेताओं का लक्ष्य एक ही है कि वे अधिक से अधिक सीटें जीतें, जिससे राज्य में एक स्थिर सरकार बनाई जा सके। उन्होंने

भाजपा के अबकी बार- 400 पार वाले नारे को गलत बताया है। पहले चरण में महाराष्ट्र की पांच सीटों पर हुए में मतदान में कम वोटिंग का मुख्य कारण पवार ने भीषण गर्मी को बताया है।

राम मंदिर पर अब कोई चर्चा नहीं कर रहाः एक दिन पहले पुणे जिले के पुरंदर में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के मुद्दे पर अब कोई चर्चा नहीं कर रहा है। भाजपा को लोकसभा चुनाव में इसका कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। राम मंदिर का मुद्दा अब खत्म हो गया है।

पवार की टिप्पणियों पर भाजपा की प्रतिक्रिया : पवार की टिप्पणी पर भाजपा ने प्रतिक्रिया दी। राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री को कोई भी टिप्पणी करने से पहले राम मंदिर के बारे में जानकारी एकत्र करनी चाहिए। बावनकुले ने कहा कि भगवान राम वहां अपने बाल रूप में हैं लेकिन पवार साहब सिर्फ राजनीति करने में जुटे हैं। पवार साहब अपनी बहु को बाहरी बताते हैं तो माता सीता के बारे में उनकी टिप्पणी सिर्फ पाखंड के अलावा और कुछ नहीं है।

कांग्रेस ने बढ़ाई आप से दोस्ती, एक और चुनाव साथ लड़ने का ऐलान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा चुनाव के लिए 'इंडिया' की छतरी के नीचे आए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की दोस्ती अब और आगे बढ़ गई है। दोनों दलों ने अब एमसीडी में मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए होने जा रहे चुनाव में भी एक साथ भाजपा से मुकाबला करने का फैसला किया है। कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि पार्टी के पार्षद आप के उम्मीदवारों के समर्थन में मतदान करेंगे। आप पार्टी ने महेश खीची को मेयर और रविंद्र भारद्वाज को डिप्टी मेयर पद के लिए उम्मीदवार बनाया है। पूर्व विधायक और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के संचार विभाग के प्रमुख अनिल भारद्वाज ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक में यह फैसला लिया गया कि पार्टी 'आप' उम्मीदवार का समर्थन करेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि दिल्ली के लोगों को परेशानी ना हो और उनके कामकाज हों। आप और कांग्रेस लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ रहे हैं। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से चार पर आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवार उतारे हैं तो तीन पर कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। शुरुआत में दिल्ली कांग्रेस के कई बड़े नेता आम आदमी पार्टी के साथ दोस्ती के विरोध में थे।

बीजेडी ने प्रियदर्शिनी समेत 9 लोगों को मैदान में उतारा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। आगामी ओडिशा विधानसभा चुनाव को लेकर बीजद ने शनिवार को उड़िया फिल्म अभिनेत्री वर्षा प्रियदर्शिनी समेत नौ और उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा है।

विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की छठी सूची का ऐलान करते हुए राज्य में सत्तारूढ़ दल ने सात मौजूदा विधायकों को नामांकन देने से इनकार कर दिया। बीजद में शामिल होने वाली प्रियदर्शिनी को बरछना विधानसभा क्षेत्र से टिकट मिला है। उड़िया फिल्म स्टार ने मौजूदा विधायक

अमरप्रसाद सत्पथी की जगह ली है। वहीं, कांग्रेस से बीजद में आए गणेश्वर बेहरा केंद्रपाड़ा से सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। सनातन महाकुड़ को चंपुआ विधानसभा सीट के लिए बीजद उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था क्योंकि निवर्तमान विधायक मीनाखी महंत को इस बार टिकट नहीं दिया गया। पूर्व विधायक रघुनाथ साहू बीजद उम्मीदवार के रूप में चिल्का विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, जबकि अभिमन्यु सेठी आनंदपुर से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। पार्टी ने इससे पहले चिल्का के विधायक प्रशांत जगदेव को निष्कासित कर दिया था। बीजद ने सिमुलिया से मौजूदा विधायक ज्योति रंजन पाणिग्रही की जगह सुभाषिनी साहू को मैदान में उतारा है।

करंजिया सीट पर मंत्री बसंती हेम्ब्रम पर दांव : बिद्यास्मिता महालिक बीजद के टिकट पर रेमुना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी क्योंकि पार्टी ने पहले मौजूदा विधायक सुधासु शेखर परीदा को निष्कासित कर दिया था। पार्टी पहले ही सभी 21 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवार उतार चुकी है।

भाजपा में शामिल हुए प्रियंका गांधी वाड्रा के करीबी तेजिंदर सिंह बिट्टू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा चुनाव के बीच ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के हिमाचल प्रदेश प्रभारी सचिव और प्रियंका गांधी के करीबी तेजिंदर सिंह बिट्टू ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को इससे बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले तेजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा के दफ्तर पहुंचे हैं। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल भी मौजूद हैं। तेजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के जनरल सेक्रेटरी विनोद तवड़े की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए।

निशाना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरजेडी सुप्रीमो पर कंसा तंज

बिहार को बर्बाद कर देगा परिवारवाद

कटिहार ■ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर परिवावाद को लेकर निशाना साधा है। नीतीश ने कटिहार में शनिवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू एवं राबड़ी देवी का नाम लिए बिना जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बहुत पैदा कर दिया, इनते बाल-बच्चे पैदा करने चाहिए किसी को। उन्होंने लालू पर तंज कसते हुए कहा कि पहले खुद सीएम बने, हट गए तो पत्नी को बना दिया। अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। कहीं पर बेटी को, कहीं पर बेटों को लगा रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कटिहार के डंडखोरा के डुमरिया में शनिवार जेडीयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने अपने विकास गाथा की चर्चा के साथ-साथ अपने संबोधन में अल्पसंख्यकों के लिए कार्य को लोगों के बीच रखा। साथ ही मुख्यमंत्री ने अलग अंदाज में लालू परिवार पर इशारों इशारों में परिवारवाद को लेकर जमकर हमला किया। उन्होंने आरजेडी के बारे में कहा कि यह परिवार किसी का नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है। उन्होंने लोगों से विकास के मुद्दे पर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की। नीतीश कुमार ने अपने भाषण में लोगों को आरजेडी शासन काल के हालात फिर से याद दिलाए। उन्होंने कहा कि आप पुरानी बात भूल गए होंगे, इसलिए बता देना चाहते हैं कि पहले कोई काम नहीं होता था। रात में कोई बाहर नहीं निकल पाता था। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पढ़ाई और इलाज की सुविधा नहीं थी। कहीं कोई इंतजाम नहीं था। लोकसभा चुनाव 2024 के समर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार परिवारवाद को लेकर आरजेडी पर हमला बोल रहे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की दो बेटियां मीसा भारती और रोहिणी आचार्य इस बार चुनाव लड़ रही हैं। सीएम नीतीश अक्सर अपने भाषणों में इसका जिक्र करते हुए लालू यादव पर अपने ही परिवार को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं।

भारत में आर्थिक और विज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनने की ताकत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत आर्थिक शक्ति होने के साथ ही विज्ञान महाशक्ति भी बन सकता है। 'नेचर' ने अपने संपादकीय में कहा है कि जीडीपी का महज 0.64 फीसदी खर्च करके भारत अंतरिक्ष में बड़ों-बड़ों की बराबरी कर रहा है, इसलिए और अधिक निवेश से वह महाशक्ति के रूप में उभर सकता है। संपादकीय में शोधकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा देश में बुनियादी अनुसंधान की उपेक्षा की गई। संपादकीय में कहा गया है कि भारत में आम चुनाव चल रहे हैं, इस बात की पूरी संभावना है कि एनडीए तीसरी बार सत्ता में आएगा। वह दशक के आखिर तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सफल होगा। इसके अनुसार विज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनने के लिए अनुसंधान प्रणाली को अधिक स्वायत्तता की जरूरत है। भारत सरकार व्यवसायों को अधिक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करके विज्ञान व्यय को बढ़ा सकती है, जैसा दुनिया के शीर्ष देशों ने किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021-22 में भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उद्योग था और सस्ती दवाओं और जेनेरिक दवाओं का अग्रणी आपूर्तिकर्ता था।

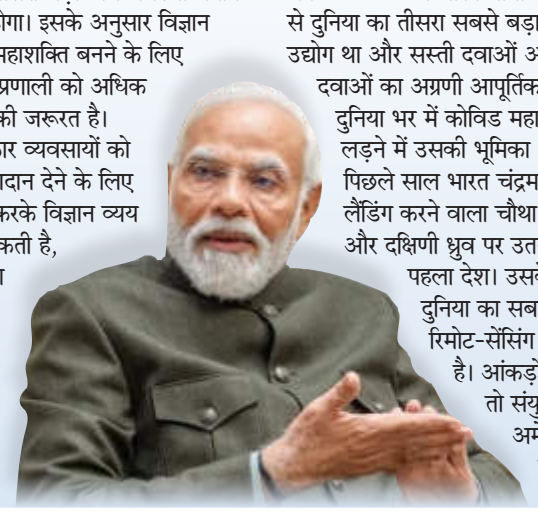

दुनिया भर में कोविड महामारी से लड़ने में उसकी भूमिका अहम रही। पिछले साल भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा रिमोट-सेंसिंग उपग्रह भी है। आंकड़ों की मानें तो संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद अनुसंधान और उत्पादन के मामले में भारत दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। वर्ष 2014 से 2021 तक विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1113 हो गई। पिछले दशक में 7 और आईआईटी स्थापित किए गए हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 23 हो गई है। दो नए भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भी स्थापित किए गए। अब विचार करें कि ये लाभ उस देश द्वारा हासिल किए गए, जिसने 2020-21 के दौरान अनुसंधान और विकास पर अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 0.64 फीसद खर्च किया, यदि नई सरकार खर्च को बढ़ाती है तो भारत इस क्षेत्र में बहुत कुछ हासिल कर सकता है।

भारत का विज्ञान खर्च 2020-21 में 57.9 अरब डॉलर रहा

पिछले महीने प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में 38 उच्च आय वाले देशों का औसत आर एंड डी व्यय लगभग 2.7 फीसदी था, जबकि चीन ने 2.4 फीसदी खर्च किया। डीएसटी के अनुसार पूर्ण रुप से क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के लिए समायोजित भारत का विज्ञान खर्च 2014-15 में 50.3 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2020-21 में 57.9 अरब डॉलर हो गया। पीपीपी विभिन्न देशों में किसी मुद्रा की क्रय शक्ति का माप है। वर्ष 1991 में आर्थिक सुधार लागू होने के बाद आर एंड डी खर्च में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी, जो 2009-10 में सकल घरेलू उत्पाद के 0.82% पर पहुंच गई थी।

अनुसंधान में योगदान दे सकती हैं कंपनियां : भारत के अनुसंधान व्यय का लगभग 60 फीसदी केंद्र और राज्य सरकारों और विश्वविद्यालयों से और लगभग 40 फीसदी निजी क्षेत्र से लिया जा सकता है। तुलनीय देशों में निजी क्षेत्र का निवेश अक्सर बहुत अधिक होता है। वर्ष 2022 में निजी क्षेत्र ने ओईसीडी देशों के अनुसंधान एवं विकास खर्च में औसतन 74 फीसदी और यूरोपीय संघ के 27 सदस्यों के लिए इस तरह के वित्तपोषण का 66 फीसदी था। भारत में आज निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य क्षेत्रों में कई वैश्विक कंपनियां हैं। वे देश के अनुसंधान में बहुत अधिक योगदान दे सकते हैं।

इराकी फोर्स पर एयरस्ट्राइक

हथियार, सेना की गाड़ियों को निशाना बनाया, अमेरिका-इजराइल बोले- हमले में हमारा हाथ नहीं

बगदाद ■ एजेंसी

ईरान और इजराइल में टकराव के बीच शनिवार को इराक में एक मिलिट्री बेस पर धमाका हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले में 1 की मौत हो गई, वहीं 8 लोग घायल हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि एयरस्ट्राइक ईरान के समर्थन वाली पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (पीएमएफ) के हेडक्वार्टर पर हुई। हालांकि, हमला किसने किया इसकी जानकारी नहीं मिली है। पीएमएफ के अधिकारियों ने अमेरिकी सैनिकों पर हमले का आरोप लगाया है, लेकिन अमेरिकी सेना ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया।

अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। इसके अलावा इजराइल ने भी हमले में अपनी भूमिका से इनकार कर दिया है। पीएमएफ को हाशेद अल-शाबी के नाम से भी जाना जाता है। यह शियाओं के सशस्त्र समूह का एक संगठन है, जिसे 2014 में आईएसआईएस से लड़ने के लिए बनाया गया था। यह अब इराक के सुरक्षा बलों का हिस्सा है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, एयरस्ट्राइक एक वेयरहाउस के ऊपर हुई। इस दौरान पीएमएफ के उपकरणों, हथियारों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। पिछले कुछ महीनों में पीएफएफ ने इराक और सीरिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए थे। संगठन ने कहा था कि अमेरिका हमास के खिलाफ जंग में इजराइल का साथ दे रहा है। इसी के विरोध में उन्होंने हमला किया।

ईरान बोला- इजराइल ने जो ड्रोन्स भेजे उनसे खेलते हैं हमारे बच्चे

दूसरी तरफ ईरान पर इजराइल के मिसाइल और ड्रोन हमले को लेकर ईरान के विदेश मंत्री हुस्सैन अमीराब्दुल्लाहियान का बयान सामने आया। उन्होंने कहा, "इजराइल ने इस्फहान शहर पर हमले के लिए जो ड्रोन्स इस्तेमाल किए वो हमारे बच्चों के खिलानों की तरह थे।" ईरान के विदेश मंत्री इस वक्त यूएनएससी के सेशन के लिए न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने बताया कि ईरान फिलहाल इजराइल पर किसी हमले की प्लानिंग नहीं कर रहा है। हुस्सैन ने इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने ईरान के खिलाफ कोई भी एक्शन लिया तो ईरान पूरी ताकत के साथ इसका जवाब देगा।

सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजराइली हमले के बाद बढ़ा तनाव

1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में मौजूद ईरान के वाणिज्य दूतावास पर एयरस्ट्राइक की थी। इस हमले में ईरान के 2 टॉप कमांडरों समेत 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। अटैक के बाद ईरान ने इजराइल से बदला लेने की धमकी दी। इसके 12 दिन बाद 13 अप्रैल को ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। इस दौरान नेवातिम मिलिट्री बेस को निशाना बनाया गया। हमले में एक बच्ची गंभीर तौर पर घायल हो गई। हालांकि, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर इजराइल ने ईरान के 99% अटैक को नाकाम कर दिया।

पाकिस्तान मिसाइल प्रोग्राम को सपोर्ट करने वाली कंपनियों पर पाबंदियां

वाशिगटन ■ एजेंसी

अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्राग्राम के लिए तकनीक सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया है। इस लिस्ट में बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि, कार्रवाई के तहत कंपनियों से जुड़ी सभी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। वहीं इनके अफसरों की देश में एंट्री पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग को इसकी सूचना भी दे दी गई है। जिन कंपनियों पर बैन लगाया गया है उनमें चीन की शियान लॉन्गदे टेक्नोलॉजी, तियांजिन क्रिएटिव सोर्स, ग्रैनपेक्ट कंपनी और बेलारूस का मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट शामिल हैं।

बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील पाकिस्तान की लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए चैसिस व्हीकल सप्लाई करती थीं। इन्हें मिसाइल लॉन्च करने के लिए सपोर्ट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। वहीं चीन की शियान लॉन्गदे कमपनी मिसाइल से जुड़े उपकरण जैसे फिलामेंट वाइंडिंग मशीन देती है। इसका इस्तेमाल रॉकेट मोटर के केस बनाने में होता है। तियांजिन कंपनी पाकिस्तान को जो सामान सप्लाई करती है, उसका इस्तेमाल स्पेस लॉन्च व्हीकल के टैंकों की वेल्डिंग में किया जाता है। वहीं ग्रैनपेक्ट कंपनी के उपकरण पाकिस्तान के रॉकेट मोटर की टेस्टिंग में काम आते हैं।

80 के दशक में शुरु हुआ पाकिस्तान का मिसाइल प्रोग्राम

पाकिस्तान ने 1986-87 में अपने मिसाइल प्रोग्राम हत्फ की शुरुआत की थी। भारत के मिसाइल प्रोग्राम का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में इसकी शुरुआत हुई थी। हत्म प्रोग्राम में पाक रक्षा मंत्रालय को फौज से सीधा समर्थन हासिल था। इसके तहत पाकिस्तान ने सबसे पहले हत्फ-1 और फिर हत्फ-1 मिसाइलों का सफल परीक्षण किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हत्फ-1 80 किमी और वहीं हत्फ-2 300 किमी तक मार करने में सक्षम थी। यह दोनों मिसाइलें 90 के दशक में सेना का हिस्सा बनी थी। इसके बाद हत्फ-1 को विकसित कर उसकी मारक क्षमता को 100 किलोमीटर बढ़ाया गया। 1996 में पाकिस्तान ने चीन की मदद से बैलिस्टिक मिसाइल की तकनीक हासिल की। फिर 1997 में हत्फ-3 का सफल परीक्षण हुआ, जिसकी मार 800 किलोमीटर तक थी। साल 2002 से 2006 तक भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा मिसाइलों की टेस्टिंग की थी।

ब्रिटिश सांसद बोलीं - कश्मीरियों के लिए लड़ती रहूंगीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ब्रिटेन की एक सांसद रेचल हॉपकिंन्स ने जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के डिप्लोमैटिक ब्यूरो चीफ जाफर खान और अन्य सदस्यों से मुलाकात की है। ब्रिटेन की संसद में हुई इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कश्मीर के आतंकी यासीन मलिक के केस की सुनवाई पर भी चर्चा की। संगठन के सदस्यों से मुलाकात के बाद रेचल ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैंने जाफर खान के साथ अहम बैठक की। इस दौरान यासीन मलिक को हुई सजा के खिलाफ अपील करने पर चर्चा हुई। मैं हमेशा कश्मीरियों और उनके अधिकारों के लिए खड़ी रहूंगी। जेकेएलएफ पर जम्मू-कश्मीर में आतंक भड़काने और अलगावाद को बढ़ावा देने का आरोप है। भारत ने साल 2019 में संगठन पर बैन लगा दिया था। यासीन मलिक को 2022 में एनआईए कोर्ट ने टेरर फंडिंग केस, यूएपीए और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में उम्र कैद सुनाई थी। इसके बाद एनआईए ने यासीन की सजा को उम्रकैद से सजा-ए-मौत में बदलने की अपील की।

पाकिस्तान में आठ हजार करोड़ रुपए निवेश करेगा सऊदी अरब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सऊदी अरब जल्द ही पाकिस्तान में तांबा और सोने के खनन से जुड़े प्रोजेक्ट में 8.34 हजार करोड़ का निवेश करेगा। सऊदी के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान अल सऊद हाल ही में 2 दिन के पाकिस्तान दौरे पर गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी दौरान दोनों देशों के बीच डील पर चर्चा हुई। वहीं शुक्रवार को पाक आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने भी सऊदी के सहायक रक्षा मंत्री मेजर जनरल अब्दुल्लाह अल-ओताइबी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच डिफेंस प्रोडक्शन और मिलिट्री ट्रेनिंग पर भी चर्चा हुई। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ईद-उल-फितर के मौके पर सऊदी अरब गए थे। वहां के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने उन्हें इफ्तार पार्टी का न्योता दिया था। पाकिस्तान में आर्थिक तंगहाली और राजनीतिक उठापटक के बीच सऊदी हमेशा से उसके साथ खड़ा रहा है।

'द डिप्लोमैट' की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जुलाई में सऊदी ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर का लोन दिया था। 2020 तक पाकिस्तान को कर्ज देने वाले देशों में सऊदी पहले नंबर पर था। इस स्टोरी में जानिए की ऐसा क्यों है कि सऊदी पाकिस्तान के खराब आर्थिक और सुरक्षा हालातों के बावजूद उसकी मदद करता है। दोनों के रिश्तों का इतिहास क्या है..।

राजनीति सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- भारत में 80 करोड़ लोगों को मिलता है फ्री अनाज

पाकिस्तान में भूखे मर रहे हैं नागरिक

अमरोहा ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लोग भूख से लड़ रहे हैं, वहीं भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी का नारा 'फिर एक बार मोदी सरकार' पूरे देश में गूंज रहा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अमरोहा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित रैली में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आबादी मुश्किल से 23-24 करोड़ है।

1947 में विभाजन के बाद बना था। आज भूख से पीड़ित है। एक तरफ पाकिस्तान है और दूसरी तरफ भारत है, जहां 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देने का वादा है। आपको बता दें कि भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में अगले पांच वर्षों तक देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देना जारी रखने का वादा किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर तरफ से एक ही नारा सुनाई दे रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने

अमरोहा में पीएम मोदी का स्वागत करते हुए देश में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए उनकी सराहना की। गौरतलब है कि अमरोहा में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। तंवर ने 2014 में अमरोहा सीट जीती, लेकिन 2019 में दानिश अली से हार गए। दानिश अली उस समय बीएसपी में थे। इस चुनाव में वह कांग्रेस के टिकट पर अमरोहा सीट से मैदान में हैं।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान आबेदीन अली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है।

उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है। लोकसभा चुनावों के बीच अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान इस तरह के बयानों को काफी अहम माना जा रहा है। वहीं, विपक्ष के इस आरोप पर कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है? इस पर अजमेर दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली खान ने कहा कि एक गलत भ्रम पैदा किया जा रहा है। संशोधन करना अलग बात है। इसे संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। दरगाह के दीवान ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा कि संविधान 1950 में बनाया गया था, तब से लेकर अब तक संसद में इसमें कितने संशोधन किए गए हैं? राष्ट्रहित और जनहित में यदि संशोधन की जरूरत होगी तो किए ही जाएंगे। झूठा भ्रम पैदा किया जा रहा है। क्या 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल एक संशोधन नहीं था?

संशोधन करने को संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। सैयद जैनुल ने केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि देश पिछले 10 वर्षों में प्रगति कर रहा है और दुनिया में देश ने जो मुकाम हासिल किया है वह मौजूदा सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि जनता को भी देखना चाहिए कि हमारे देश को प्रगति की ओर कौन ले जा रहा है और फिर इसके आधार पर अपने वोट का उपयोग करना चाहिए। दीवान ने कहा कि राम मंदिर एक मुद्दा हो सकता है, लेकिन इसे चुनाव से नहीं जोड़ा जा सकता।

महावीर स्वामी ने दुनिया को पढ़ाया अहिंसा का पाठ

भगवान महावीर जैन धर्म के चौंबीसवें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले (ईसा से 540 वर्ष पूर्व), वैशाली गणराज्य के क्षत्रियकुंड (कुंडग्राम) वैशाली में अयोध्या इक्ष्वाकुवंशी क्षत्रिय परिवार हुआ था। तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गए। 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने समवशरण में ज्ञान प्रसारित किया। 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने, जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुणिक और चेटक भी शामिल थे। जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के जन्मदिवस को महावीर-जयंती तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रुप में धूमधाम से मनाया जाता है। जैन ग्रंथों के अनुसार समय-समय पर धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है, जो सभी जीवों को आत्मिक सुख प्राप्ति का उपाय बताते हैं। तीर्थंकरों की संख्या चौबीस ही कही गई है। भगवान महावीर वर्तमान अवसर्पिणी काल की चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर थे और ऋषभदेव पहले। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) ,ब्रह्मचर्य। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धांत दिए। महावीर के सर्वोदयी तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं, इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो। यही महावीर का 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत है।

जीवन

भगवन महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडग्राम में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहां चैत्र शुक्ल तेरस को हुआ था। ग्रंथों के अनुसार उनके जन्म के बाद राज्य में उन्नति होने से उनका नाम वर्धमान रखा गया था। जैन ग्रंथ उत्तरपुराण में वर्धमान, वीर, अतिवीर, महावीर और सन्मति ऐसे पांच नामों का उल्लेख है। इन सब नामों के साथ कोई कथा जुड़ी है। जैन ग्रंथों के अनुसार २३वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद इनका जन्म हुआ था।

विवाह

दिगंबर परंपरा के अनुसार महावीर बाल ब्रह्मचारी थे। भगवान महावीर शादी नहीं करना चाहते थे, क्योंकि ब्रह्मचर्य उनका प्रिय विषय था। भोगों में उनकी रुचि नहीं थी, परंतु इनके माता-पिता शादी करवाना चाहते थे। दिगंबर परंपरा के अनुसार उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था। श्वेतांबर परंपरा के अनुसार इनका विवाह यशोदा नामक सुकन्या के साथ संपन्न हुआ और कालांतर में प्रियदर्शिनी नाम की कन्या उत्पन्न हुई, जिसका युवा होने पर राजकुमार जमाली के साथ विवाह हुआ।

अहिंसा

इस लोक में जितने भी त्रस जीव (एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रियों वाले जीव) है, उनकी हिंसा मत कर, उनको उनके पथ पर जाने से न रोको। उनके प्रति अपने मन में दया का भाव रखो। उनकी रक्षा करो। यही अहिंसा का संदेश भगवान महावीर अपने उपदेशों से हमें देते हैं।
अचौर्य : दूसरे के वस्तु बिना उसके दिए हुआ ग्रहण करना जैन ग्रंथों में चोरी कहा गया है।

तपस्या

भगवान महावीर का साधना काल १२ वर्ष का था। दीक्षा लेने के उपरांत भगवान महावीर ने जिनकल्पी श्रमण की कठिन चर्या को अंगीकार किया। श्वेतांबर सम्प्रदाय जिसमें साधु श्वेत वस्त्र धारण करते है। महावीर दीक्षा उपरांत कुछ समय छोड़कर निर्वस्त्र रहे और उन्होंने केवल ज्ञान की प्राप्ति भी जिनकल्पीअवस्था में ही की। अपने पूरे साधना काल के दौरान महावीर ने कठिन तपस्या की और मौन रहे। इन वर्षों में उन पर कई ऊपसर्ग भी हुए जिनका उल्लेख कई प्राचीन जैन ग्रंथों में मिलता है।

केवल ज्ञान और उपदेश

जैन ग्रंथों के अनुसार केवल ज्ञान प्राप्ति के बाद, भगवान महावीर ने उपदेश दिया। उनके ११ गणधर (मुख्य शिष्य) थे, जिनमें प्रथम इंद्रभूति थे। जैन ग्रन्थ, उत्तरपुराण के अनुसार महावीर स्वामी ने समवसरण में जीव आदि सात तत्त्व, छह द्रव्य, संसार और मोक्ष के कारण तथा उनके फल का नय आदि उपायों से वर्णन किया था।

महावीर के पांच व्रत

सत्य : सत्य के बारे में भगवान महावीर स्वामी कहते हैं, हे पुरुष! तू सत्य को ही सच्चा तत्व समझ। जो बुद्धिमान सत्य की ही आज्ञा में रहता है, वह मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है।

अपरिग्रह

परिग्रह पर भगवान महावीर कहते हैं, जो आदमी खुद सजीव या निर्जीव चीजों का संग्रह करता है, दूसरों से ऐसा संग्रह कराता है या दूसरों को ऐसा संग्रह करने की सम्मति देता है, उसको दुःखों से कभी छुटकारा नहीं मिल सकता। यही संदेश अपरिग्रह का माध्यम से भगवान महावीर दुनिया को देना चाहते हैं।

क्षमा

क्षमा के बारे में भगवान महावीर कहते हैं- 'मैं सब जीवों से क्षमा चाहता हूं। जगत के सभी जीवों के प्रति मेरा मैत्रीभाव है। मेरा किसी से वैर नहीं है। मैं सच्चे हृदय से धर्म में स्थिर हुआ हूं। सब जीवों से मैं सारे अपराधों की क्षमा मांगता हूं। सब जीवों ने मेरे प्रति जो अपराध किए हैं, उन्हें मैं क्षमा करता हूं।' वे यह भी कहते हैं 'मैंने अपने मन में जिन-जिन पाप की वृत्तियों का संकल्प किया हो, वचन से जो-जो पाप वृत्तियां प्रकट की हों और शरीर से जो-जो पापवृत्तियां की हों, मेरी वे सभी पापवृत्तियां विफल हों। मेरे वे सारे पाप मिथ्या हों।'

ब्रह्मचर्य

महावीर स्वामी ब्रह्मचर्य के बारे में अपने बहुत ही अमूल्य उपदेश देते हैं कि ब्रह्मचर्य उत्तम तपस्या, नियम, ज्ञान, दर्शन, चारित्र, संयम और विनय की जड़ है। तपस्या में ब्रह्मचर्य श्रेष्ठ तपस्या है, जो पुरुष स्त्रियों से संबंध नहीं रखते, वे मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ते हैं। जैन मुनि, जैन साध्वी इन्हें पूर्ण रुप से पालन करते है, इसलिए उनके महाव्रत होते है और श्रावक, श्राविका इनका एक देश पालन करते है, इसलिए उनके अणुव्रत कहे जाते है।

दस धर्म

दिगंबर पंथ के ग्रंथों में दस धर्म का वर्णन है, जिन्हें दस लक्षण भी कहते हैं, इस को दसलक्षण पर्व भी कहते हैं। इस पर्व के दौरान दस दिन इन दस धर्मों का चिंतन किया जाता है। श्वेतांबर जैन धर्म भाद्रपद माह में पर्युषण पर्व मनाता है, जो कि 8 दिन चलता है, कल्पसूत्र का पाठ होता है।

धर्म

धर्म सबसे उत्तम मंगल है। अहिंसा, संयम और तप ही धर्म है। महावीरजी कहते हैं जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था।

मोक्ष

तीर्थंकर महावीर का केवलीकाल ३० वर्ष का था। उनके के संघ में १४000 साधु, ३६000 साध्वी, १00000 श्रावक और ३00000 श्रविकाएं थीं। भगवान महावीर ने ईसा पूर्व 527, 72 वर्ष की आयु में बिहार के पावापुरी (राजगीर) में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया। पावापुरी में एक जल मंदिर स्थित है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यही वह स्थान है, जहां से महावीर स्वामी की देह का अग्निसंस्कार किया गया।

तीर्थ को सर्वोदय की संज्ञा दी

दूसरी सदी के प्रभावशाली जैन मुनि, आचार्य समंतभद्र ने तीर्थंकर महावीर के तीर्थ को सर्वोदय की संज्ञा दी थी। महावीर की अहिंसा केवल सीधे वध को ही हिंसा नहीं मानती है, अपितु मन में किसी के प्रति बुरा विचार भी हिंसा है। वर्तमान युग में प्रचलित नारा 'समाजवाद' तब तक सार्थक नहीं होगा, जब तक आर्थिक विषमता रहेगी। एक ओर अथाह पैसा, दूसरी ओर अभाव। इस असमानता की खाई को केवल भगवान महावीर का 'अपरिग्रह' का सिद्धांत भर सकता है। अपरिग्रह का सिद्धांत कम साधनों में अधिक संतुष्टि पर बल देता है। यह आवश्यकता से ज्यादा रखने की सहमति नहीं देता है।

महावीर जयंती और महावीर स्वामी के बारे में खास बातें

हिंदू धर्म की तरह जैन धर्म का भी कोई संस्थापक नहीं है। जैन धर्म 24 तीर्थंकरों के जीवन और शिक्षा पर आधारित है। तीर्थंकर यानी वो आत्माएं जो मानवीय पीड़ा और हिंसा से भरे इस सांसारिक जीवन को पार कर आध्यात्मिक मुक्ति के क्षेत्र में पहुंच गई हैं। सभी जैनियों के लिए 24वें तीर्थंकर महावीर जैन का खास महत्व है। महावीर इन आध्यात्मिक तपस्वियों में से अंतिम तीर्थंकर थे, लेकिन जहां औरों की ऐतिहासिकता अनिश्चित है। वहीं महावीर जैन के बारे में पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि उन्होंने इस धरती पर जन्म लिया। अहिंसा के इस उपदेशक का जन्म क्षत्रिय जाति में हुआ, वो गौतम बुद्ध के समकालीन थे।

दिलचस्प बात ये है कि महावीर भी उसी मगध क्षेत्र यानी आज के बिहार के थे जहां के गौतम बुद्ध थे - क्या गौतम बुद्ध और महावीर एक जैसा सोचते थे? गौतम बुद्ध और महावीर दोनों ही ब्राह्मणों द्वारा प्रचारित उस युग के वैदिक विश्वासों के आधिपत्य के खिलाफ उठे आंदोलनों के सबसे करिश्माई प्रवक्ता थे। महावीर के अनुयायियों ने पुनर्जन्म के सिद्धांत जैसे कुछ वैदिक विश्वासों को तो अपनाया, लेकिन गौतम बुद्ध की तरह जाति बंधनों, देवताओं की सर्वोच्चता में विश्वास और पशु बलि की प्रथाओं से किनारा कर लिया। महावीर के अनुयायियों के लिए मुक्ति का मार्ग त्याग और बलिदान ही है लेकिन इसमें जीवात्माओं की बलि शामिल नहीं है।

महावीर के क्या उपदेश थे - कुछ बौद्ध ग्रंथों में महावीर का उल्लेख है लेकिन आज हम उनके बारे में जो कुछ भी जानते हैं उसका आधार दो जैन ग्रंथ हैं। प्रचारात्मक कल्पसूत्र- ये ग्रंथ महावीर के सदियों बाद लिखा गया, इससे पहले लिखे गए आचारांग सूत्र हैं। इस ग्रंथ में महावीर को भ्रमरणरत, नग्न, एकाकी साधु के रुप में दिखाया गया है। कहा जाता है कि महावीर ने 30 साल उम्र में भ्रमण करना शुरु किया और वो 42 साल की उम्र तक भ्रमण करते रहे। गौतम बुद्ध की तरह महावीर ने किसी मध्यम मार्ग का उपदेश नहीं दिया। महावीर ने अपने अनुयायियों को असत्य और मैथुन त्यागने, लालच और सांसरिक वस्तुओं का मोह छोड़ने, हर प्रकार की हत्याएं और हिंसा बंद करने का संदेश दिया।

महावीर कैसे बने संन्यासी - ज्ञान की खोज में गृह त्याग कर महावीर ने अपनी यात्रा की शुरुआत भी एक भयानक पीड़ाजनक कृत्य से की थी। कल्पसूत्र में अशोक वृक्ष के नीचे घटित उस क्षण का वर्णन है। वहां उन्होंने अपने अलंकार, मालाएं और सुंदर वस्तुओं को त्याग दिया। आकाश में चंद्रमा और ग्रह नक्षत्रों के शुभ संयोजन की बेला में उन्होंने ढाई दिन के निर्जल उपवास के बाद दिव्य वस्त्र धारण किए, वो उस समय बिल्कुल अकेले थे। अपने केश लुंचित कर (तोड़कर) और अपना घर बार छोड़कर वो संन्यासी हो गए। बौद्ध जहां अपना सिर मुंडवाते हैं वहीं, जैन शिष्य खुद अपने मुट्ठियों से बाल का लुंचन करते हैं। महावीर और जैन परंपरा की शिक्षाएं 20वीं सदी के भारत में तब राजनीतिक रुप से महत्वपूर्ण हो गईं थीं, जब महात्मा गांधी ने इतिहास के सबसे शक्तिशाली साम्राज्य ब्रिटिश राज को हटाने के लिए अहिंसा का प्रयोग किया। गांधीजी ने जैन धर्म की सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान की भावना का बेहद आदर करते थे। अहिंसा का उनका दर्शन लियो टॉलस्टाय सहित कई स्रोतों से प्रभावित था, लेकिन महावीर उन्हें अहिंसा के सिपाही लगते थे।

महावीर स्वामी के उपदेश कहां-कहां फैले - महावीर के पवित्र उपदेश संपूर्ण भारत में फैले। विशेषकर पश्चिमी भारत के गुजरात, राजस्थान में और दक्षिण भारत में कई लोगों ने जैन धर्म अपनाया। कर्नाटक के श्रवण बेलगोला में आपको सबसे प्रसिद्ध जैनतीर्थ मिलेगा। एक विशालकाय प्रतिमा, जो एक पर्वत की चोटी को काटकर गढ़ी गई है, बाहुबली चोटी, जैन परंपरा के अनुसार बाहुबली या गोम्मट पहले तीर्थंकर के पुत्र थे। 17 मीटर ऊंची और आठ मीटर चौड़ी ये प्रतिमा एक चट्टान से बनी विश्व की सबसे विशाल मानव निर्मित प्रतिमा है। जैन प्रतिमाओं का सहज रुप तप की अंतिम अवस्था को दर्शाता है। कठोर जैन निरामिष (मांसरहित) भोजन में ना केवल मांस और अंडों का सेवन निषेध है बल्कि कंदमूल भी वर्जित है। शायद इसलिए कि उन्हें उखाड़ने से जमीन के अंदर, आसपास के पौधों और छोटे जीवों को कष्ट पहुंच सकता है।